राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 29 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–95 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

अकाली दल के कार्यक्रम में चली कुर्सियां

जालंधर। पंजाब के बठिंडा में शिरोमणि अकाली दल के एक प्रोग्राम के दौरान पार्टी वर्कर आपस में भिड़ गए। मामला इतना बढ़ गया था कि दो पक्षों ने एक दूसरे पर कुर्सियां बरसानी शुरू कर दी। ये कार्यक्रम बठिंडा के एक निजी रिसॉर्ट में रखा गया था। कार्यक्रम में अकाली दल के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इस दौरान ये घटनाक्रम हो गया। सारी घटना के कुछ वीडियो फोटो सामने आए हैं। जिसमें पार्टी वर्कर एक दूसरे पर कर्सियां बरसाते नजर आ रहे हैं। वहीं, घटना के बाद पूरे रिजॉर्ट में अफरा तफरी मच गई। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह नेताओं को बाहर निकाला। जांच के लिए बठिंडा पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। मिली जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में कुछ ही देर बाद हरसिमरत कौर बादल ने आना था। मगर उनके आने से पहले ही विवाद हो गया। जिसके चलते कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा।

बस-ट्रक की टक्कर, 7 की मौत

-सिर कटकर अलग हुए; बस की एक साइड को चीरते निकला ट्रक

उन्नाव। सवारियों से भरी बस को सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। बस की एक साइड को चीरते हुए ट्रक निकल गया। यह हादसा उन्नाव के सफीपुर में रविवार दोपहर को हुआ। हादसे में 7 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 गंभीर रूप से घायल हैं। इनमें 3 की हालत नाजुक है। मृतकों में 5 पुरुष और दो महिलाएं हैं।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने सभी को प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। डॉक्टरों के मुताबिक, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हादसे के वक्त बस में 27 लोग सवार थे। बस बांगरमऊ से उन्नाव जा रही थी। हादसा इतना भयानक था कि एक यात्री सडक़ पर उछलकर गिर गया, जिससे उसका सिर फट गया। यही नहीं, दो यात्रियों के सिर कटकर अलग हो गए।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने पद से इस्तीफा दिया

आप से गठबंधन पर नाराज

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों के मुताबिक, लवली दिल्ली में टिकट बंटवारे से नाराज बताए जा रहे हैं। कांग्रेस ने 31 अगस्त 2023 को अरविंदर सिंह लवली को दिल्ली कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया था। लवली शीला दीक्षित की सरकार में परिवहन मंत्री रह चुके हैं। अरविंदर सिंह लवली पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कांग्रेस इकाई उस पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी, जो कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के एकमात्र आधार पर बनी थी। इसके बावजूद, पार्टी ने दिल्ली में आप के साथ गठबंधन करने का फैसला किया। दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों पर छठवें चरण में 25 मई को वोट डाले जाएंगे।

दशकों तक सत्ता में रहे तब गरीबी दूर नहीं की, अब झटके में खत्म करने का वादा कर रहे हैं : राजनाथसिंह

अहमदाबाद । गुजरात में चुनावी दौरे पर आए रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने कहा कि दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद जो देश से गरीबी खत्म नहीं कर पाए वह अब एक झटके में गरीबी दूर करने का दावा कर रहे हैं. राजा-महाराओं पर राहुल गांधी के बयान को लेकर राजनाथसिंह ने कहा कि जब भारत देश आजाद हुआ तब सबसे जटिल प्रश्न विलय था. लेकिन लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की अपील पर देश की सभी राजा-महाराजा विलय के तैयार हो गए. भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करने आए राजनाथसिंह ने आज पूर्वी अहमदाबाद के वस्त्राल में आयोजित उत्तर भारतीयों के सम्मेलन में शामिल हुए. जिसके बाद आणंद के खंभात विधानसभा उपचुनाव के भाजपा प्रत्याशी चिराग पटेल के समर्थन में जनसभा की. गुजरात में चुनावी याता के दौरान भावनगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी नीमूबेन बांभणिया के समर्थन में सिहोर के क्रिकेट ग्राउंड में जनसभा की. इन कार्यक्रमों से पहले अहमदाबाद में पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए राजनाथसिंह ने कहा कि भाजपा 2024 का चुनाव अपनी 10 वर्ष की उपलब्धियों पर लड़ रही है. सुशासन, विकास, पीएम मोदी की लोकप्रियता और विश्वनीयता के आधार पर हम चुनाव मैदान में उतरे हैं. देश को लंबे अर्से से ऐसे नेतृत्व की दरकार थी, जो भारत को विकसित देशों की पंक्ति में खड़ा कर सके. भारत को ऐसा नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र रूप के मिला है, जिनके कारण भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही है. कांग्रेस पर प्रहार करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि उसके पास ना नेता है, ना नीति और ना ही नीयत है. कांग्रेस नेता एक झटके में गरीबी दूर करने की बात कर रहे है. यह बात वह कर रहे हैं जो 50 साल से भी अधिक सत्ता में रहे लेकिन गरीबी दूर नहीं कर पाए और आज एक झटके में इसे खत्म करने का दावा कर रहे हैं. जबकि पीएम मोदी के नेतृत्ववाली सरकार ने पिछले 8-9 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में सफलता हासिल की है.

देशभर में लू का कहर

बंगाल में रेड तो बिहार समेत कई राज्यों में ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली ।

देशभर में बढ़ती गर्मी और लू से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उसके पार तक जा रहा है। लू को लेकर भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल में रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि बिहार और झारखंड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले कई दिनों तक गर्म हवाओं का प्रकोप रहेगा। आइए जानते हैं और राज्यों के मौसम के बारे में-

मौसम विभाग के अनुसार, गर्म और उमस भरे मौसम के कारण बंगाल और ओडिशा में दिन के अधिकतम तापमान में और वृद्धि की संभावना है। वहीं, लू के चलते लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ेगी। बढ़ती गर्मी और हीटवेव को लेकर भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के वरिष्ठ वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने कहा, ओडिशा में भी लू से बिगड़ते हालातों का सामना करना पड़ रहा है। यहां कुछ दिनों तक ऐसे ही हालात रहने वाले हैं। इसलिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

इन जगहों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार

कई ऐसे स्थान हैं, जिनका तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया है। पश्चिम बर्धमान जिले के पानागढ़ में शनिवार को पश्चिम बंगाल का अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कोलकाता में दिन का अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इतना ही नहीं, मेदिनीपुर का 43.5, बांकुड़ा का 43.2, बैरकपुर का 43.2, बर्धमान का 43, आसनसोल का 42.5, पुरुलिया का 42.7 और श्रीनिकेतन का 42 डिग्री सेल्सियस हैं। वहीं, ओडिशा के औद्योगिक शहर अंगुल में 44.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि राज्य की राजधानी भुवनेश्वर में 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो इस मौसम में पहली बार 44 डिग्री को पार कर चुका है। इसके अलावा, बारीपदा में 44.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि बौध, ढेंकनाल और भवानीपटना में शनिवार को अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में दिन के तापमान में धीरे-धीरे एक से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान जताया है और उसके बाद के दो दिनों तक कोई बड़ा बदलाव नहीं होने का अनुमान जताया है।

दिल्ली-एनसीआर का ऐसा रहेगा मौसम

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को शुक्रवार को हुई बारिश के बाद चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली। शनिवार को राजधानी में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस से घटकर 38 डिग्री सेल्सियस हो गया। आईएमडी के पूर्वानुमान में सप्ताहांत में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। हालांकि, बताया गया है कि सोमवार तक अधिकतम तापमान फिर से 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाएगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली की वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ है और इसका वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 163 दर्ज किया गया है जिसे मध्यम श्रेणी में रखा गया है।

उत्तर प्रदेश के लिए अलर्ट

मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी हिस्सों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। यहां भी लू से लोग परेशान रह सकते हैं।

बारिश को लेकर क्या कहता है मौसम विभाग?

मौसम विभाग ने रविवार को जम्मू-कश्मीर और तमिलनाडु में गरज के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी ने आज सुबह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र और उत्तरी तेलंगाना में बारिश और बिजली गिरने की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, पूर्वी मेघालय, नगालैंड और मणिपुर में रविवार को गरज के साथ हल्की बारिश की भी भविष्यवाणी की।

भाजपा न आरक्षण हटाएगी न हटाने देगी यह मोदी की गारंटी है : अमित शाह

मैनपुरी ।

मैनपुरी पहुंचे केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा एससी-एसटी (अनुसूचित जाति-जनजाति) वर्ग और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण न हटाएगी और न किसी को हटाने देगी और यह 'मोदी की गारंटी है। शाह रविवार को एटा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह और मैनपुरी के उम्मीदवार जयवीर सिंह के समर्थन में अलग-अलग चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। सभाओं में शाह ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी पर जमकर प्रहार किया। अमित शाह ने राहुल गांधी पर पिछड़ा वर्ग के नाम पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया और दावा किया कि वे कह रहे हैं कि भाजपा को 400 सीटें दी तो भाजपा आरक्षण खत्म देगी। शाह ने कहा, इन लोगों ने झूठ की फैक्ट्री खोलकर रखी है। गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के पास आरक्षण हटाने के लिए पूर्ण बहुमत दो कार्यकाल से है, परंतु मोदी जी आरक्षण समर्थक हैं और आज मैं मोदी गारंटी कहकर जाता हूं कि एससी एसटी और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण न भाजपा हटाएगी न किसी को हटाने देगी। यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा, मोदी जी जब प्रधानमंत्री बने तो पिछड़ा वर्ग को संवैधानिक सम्मान दिया गया। शाह ने रविवार को राम मंदिर मुद्दे को लटकाए रखने के लिए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि जनता को कारसेवकों पर गोलियां चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों में से किसी एक को चुनना होगा। उन्होंने कहा, दो खेमे हैं, एक खेमा राम भक्तों पर गोली चलवाने वालों का है और दूसरा खेमा राम मंदिर बनवाने वालों का। राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने पर विपक्षी दल के नेताओं पर हमला करते हुए शाह ने कासगंज में कहा, जो लोग प्रतिष्ठा समारोह में नहीं गए, वे जानते हैं कि वे वही लोग हैं जिन्होंने कारसेवकों पर गोली चलाई थी। भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी, राहुल बाबा और अखिलेश यादव की पार्टियों ने 70-70 साल तक राम मंदिर के मुद्दे को लटका कर रखा, भटका कर रखा। यूपी वालों आप लोगों ने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और मोदी जी ने पांच अगस्त 2020 को भूमि पूजन किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा करके जयश्रीराम कर दिया। मैनपुरी में सपा प्रमुख यादव की पत्नी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार जयवीर सिंह ठाकुर के पक्ष में एक रैली में शाह ने कहा, अखिलेश जी, डिंपल जी आप लोग राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में किसके डर से नहीं गये। अब तो आजम खान भी जेल में हैं।

संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले

आरएसएस हमेशा आरक्षण के पक्ष में

हैदराबाद।

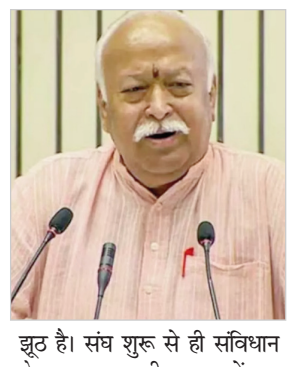

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संघ ने कभी भी कुछ खास वर्गों को दिए जाने वाले आरक्षण का विरोध नहीं किया है। हैदराबाद में एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि संघ का मानना है कि जब तक जरूरत है, आरक्षण जारी रहना चाहिए। भागवत ने यह बात भाजपा और कांग्रेस के बीच आरक्षण को लेकर चल रहे बयानों के बाद कही।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि जब मैं यहां आया तो एक वीडियो वायरल किया जा रहा था कि आरएसएस आरक्षण के खिलाफ है। हम इस बारे में बाहर बात नहीं कर सकते। अब यह पूरी तरह से झूठ है। संघ शुरू से ही संविधान के अनुसार सभी आरक्षणों का समर्थन करता रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख भागवत ने पिछले साल सितंबर में भी नागपुर में कहा था कि जब तक समाज में भेदभाव है, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा था कि समाज में भेदभाव मौजूद है, भले ही वह दिखता न हो।

कोस्ट गार्ड-एनसीबी ने समुद्री सीमा के पास 14 पाकिस्तानियों को किया गिरफ्तार

गुजरात तट पर सुरक्षा एजेंसियों का बड़ा एक्शन, 602 करोड़ की ड्रग्स के साथ 14 पाकिस्तानी नागरिक अरेस्ट

अहमदाबाद।

गुजरात तट से आतंकवाद विरोधी दस्ते और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने जॉइंट ऑपरेशन के जरिए 86 किलोग्राम ड्रग्स बरामद किया है। बाजार में इसकी कीमत करीब 602 करोड़ रुपए आंकी गई है। एटीएस और एनसीबी ने संयुक्त कार्रवाई कर 14 पाकिस्तानी नागरिकों को भी अरेस्ट किया है। बता दें कि ये ऑपरेशन पिछले 2 दिन से चल रहा था। ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तारी से बचने की कोशिश में पाकिस्तानी नागरिकों ने एटीएस अधिकारियों पर अपनी नाव चढ़ाने की कोशिश की और पुलिस को जवाबी कार्रवाई में फायरिंग करनी पड़ी। इसके बाद संदिग्धों को पकड़ लिया गया। सुरक्षा एजेंसियां पिछले दो दिनों से अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा के पास भारतीय जल सीमा के भीतर तलाशी अभियान चला रही थीं। इंडियन कोस्ट गार्ड ने समुद्र में खुफिया जानकारी के आधार पर मादक द्रव्य विरोधी अभियान चलाया। जिसमें पाकिस्तानी नाव के 14 चालक दल के साथ 602 करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 86 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया गया। इंडियन कोस्ट गार्ड ने आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के सहयोग से एक सफल ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए भारतीय तटरक्षक जहाजों और विमानों को मिशन पर तैनात किया गया था। एनसीबी और एटीएस अधिकारियों को ले जा रहे आईसीजी ने जहाज राजरतन ने संदिग्ध नाव की पहचान की। ड्रग्स से लदी नाव के चालकों ने भागने की कोशिश की, लेकिन तटरक्षक जहाज राजरतन ने इसे नाकाम कर दिया। ड्रग्स् और भारतीय कोस्ट गार्ड की सजगता के कारण पिछले तीन वर्षों में ऐसे 11 सफल ऑपरेशन हुए हैं।

ओडिशा में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल बोले-

ओडिशा में भाजपा और बीजद की शादी हो चुकी है

-दिल्ली वाले अंकल और नवीन पटनायक ने मिलकर आपका पैसा लूटा

केंद्रपाड़ा । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी रविवार को ओडिशा पहुंचे। उन्होंने केंद्रपाड़ा में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीच गठबंधन है। पीएम मोदी ने केंद्र में 22-25 अरबपतियों की सरकार चलाई। वहीं काम ओडिशा में नवीन बाबू कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि इसका पूरा का पूरा फायदा मुट्ठी भर लोगों का होता है और बाकी जनता देखती रह जाती है। तेलंगाना में भाजपा और बीजद की शादी थी। वहां पर हर रोज उनकी बारात निकलती थी और ड्रामेबाजी होती थी। कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में दिखाया कि भाजपा और बीजद एक हैं और अगर विपक्ष का कोई काम कर रहा है तो वो कांग्रेस पार्टी कर रही है। ओडिशा में भी कुछ यही हाल है। ओडिशा में भाजपा और बीजद की शादी हो चुकी है। दिल्ली वाले अंकल और नवीन बाबू ने इस शादी में ओडिशा की जनता को पीएएएनएन दिया है। पीएएएनएन मतलब... पीए- पांडियन (नवीन पटनायक के करीबी आईएएस अफसर),ए- अमित शाह, एन- नरेंद्र मोदी, एन- नवीन पटनायक। इन्होंने मिलकर आपका पैसा लूटा है।

ओडिशा के लिए 5 गारंटी गिनाई

राहुल गांधी ने ओडिशा के लिए पांच गारंटी गिनाई। उन्होंने कहा- ओडिशा में महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए, बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 रुपए, 200 यूनिट फ्री बिजली, 500 रुपए में गैस सिलेंडर और धान के लिए 3,000 रुपए/क्विंटल।

कांग्रेस की चुनाव समिति ने लिया अंतिम फैसला...घोषणा होना बाकी

अमेठी से राहुल, रायबरेली से प्रियंका लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली।

यूपी की अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट पर राहुल गांधी और प्रियंका को चुनाव लड़ाने के लिए कांग्रेस की चुनाव समिति ने अंतिम फैसला ले लिया है। अब सिर्फ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और सोनिया गांधी की इसपर मुहर लगनी है। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस की ओर से अभी तक प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की गई है। जबकि कांग्रेस की चुनाव समिति के सदस्यों ने अंतिम फैसला लेते हुए कांग्रेस नेतृत्व से अनुरोध किया है कि अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को ही चुनाव मैदान में उतारा जाए।

अब इस बात को लेकर और कोई बैठक नहीं होगी। चुनाव समिति की बैठक में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और चेयरपर्सन सोनिया गांधी भी मौजूद थीं, लेकिन उन्होंने अभी इस मुद्दे पर अपनी राय साफ नहीं की है। ऐसे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस चुनाव समिति के सदस्यों की बात मानते हुए यूपी की इन दोनों सीटों से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को चुनाव मैदान में उतार सकती है। अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट पर 20 मई को मतदान होना है। जबकि यहां से नामांकन भरने की अंतिम तारीख तीन मई है।

अमेठी और रायबरेली की चर्चा तेज

राहुल गांधी ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट से पर्चा भरा था। 26 अप्रैल को वायनाड लोकसभा सीट पर मतदान भी संपन्न हो चुका है। ऐसे में पार्टी के भीतर यह मांग तेज हो गई है कि अमेठी और रायबरेली से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को उतारा जाए।

बीते 25 अप्रैल को भी उत्तर प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट पर राहुल और प्रियंका को चुनावी मैदान में उतारने को पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग कहा था। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं का कहना था कि अमेठी और रायबरेली सीटों पर न लडऩे से ये संकेत जाएगा कि हिंदी भाषी इलाके में कांग्रेस ने भाजपा के आगे हथियार डाल दिए। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा था कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें हैं और केंद्र में सरकार बनाने में इस राज्य की भूमिका अहम होती है।

उन्होंने आगे कहा था, कांग्रेस कार्यकर्ता, रायबरेली और अमेठी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के दूसरे हिस्सों की जनता अपने दोनों हाथ जोडक़र निवेदन कर रही है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को हर हाल में चुनाव लडऩा ही चाहिए।

जल्द होगी घोषणा

मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा कि आने वाले कुछ दिनों में इन दोनों सीटों पर कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेगी। आपको कुछ और दिन का इंतजार करना होगा। उम्मीदवारों के नाम जब जनता की तरफ से मेरे पाए आएंगे तो मैं नोटिफिकेशन पर साइन करूंगा और फिर नामों की घोषणा कर दी जाएगी। राहुल गांधी ने पहली बार साल 2004 में अमेठी से चुनाव लड़ा था।

संपादकीय

महंगाई की फिक्र

ऐसे वक्त में जब केंद्रीय बैंक खुदरा मुद्रास्फीति को काबू पाने के मिशन में कामयाबी की तरफ बढ़ता नजर आ रहा था, प्रतिकूल मौसमी हालात तथा बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों ने चिंता बढ़ायी है। यही वजह है कि निर्धारित चार फीसदी तक मुद्रास्फीति नियंत्रण के लक्ष्य को लेकर अनिश्चितता पैदा हुई है। दरअसल, बीते माह में खुदरा मुद्रास्फीति की दर 4.9 फीसदी रहने पर केंद्रीय बैंक समेत आर्थिक विशेषज्ञ उत्साहित थे कि अब चार फीसदी के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। दरअसल, इसी मकसद से केंद्रीय बैंक ने अप्रैल 2023 के बाद से रेपो दरों में किसी तरह का बदलाव नहीं किया। केंद्रीय बैंक को आशंका थी कि रेपो दरों में बदलाव से महंगाई बढ़ सकती है। ऐसे में आरबीआई मुद्रा स्फीति की मौजूदा स्थिति को लेकर आशावान है। लेकिन साथ ही चिंतित है कि मौसम के मिजाज में लगातार आ रहे बदलाव तथा दो साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध व हालिया गाजा संकट से वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ सकती है। जिसका असर भारत पर पड़ना लाजिमी है। इन्हीं आशंकाओं के चलते केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति को नहीं बदला है। वहीं दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पैनी निगाह रखने वाली सीएमआईई की रिपोर्ट में विश्वास जताया गया है कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक खुदरा मुद्रास्फीति पांच साल के न्यूनतम स्तर तक पहुंच सकती है। लेकिन मौसमी अस्थिरता इस मार्ग में बाधक बन सकती है। दरअसल, वैश्विक मौसम संगठन के संकेत हैं कि विपरीत मौसमी स्थितियां हमारी कृषि अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं। जिसका सीधा असर खाद्यान्न महंगाई पर पड़ सकता है। हालांकि, भारत की सकल घरेलू उत्पाद दर के फिलहाल सात फीसदी रहने के अनुमान तमाम देशी-विदेशी आर्थिक संगठन लगा रहे हैं, लेकिन अचानक पैदा हुई प्रतिकूल परिस्थितियों के बाबत भविष्यवाणी करना आसान नहीं है। लेकिन इसके बावजूद जरूरी है कि महंगाई पर नियंत्रण के प्रयासों के प्रति हम गंभीर रहें। जिसमें दुनिया की सबसे बड़ी हमारी युवा आबादी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। बहरहाल, हमें यह स्वीकार करना होगा कि जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया को गहरे तक प्रभावित करने लगा है। खासकर कृषि क्षेत्र के प्रभावित होने से महंगाई बढ़ने का खतरा लगातार बना हुआ है। अतिवृष्टि-अनावृष्टि और अचानक आने वाली बाढ़ दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं। जिससे सारी दुनिया में खाद्यान्नों की कीमतों में तेजी आ रही है। हमने पिछले दिनों भारत में भी देखा कि जब गेहूं की फसल तैयार होकर खलिहानों तथा मंडियों तक पहुंचने लगी तो पश्चिमी विक्षोभ के चलते हुई बारिश ने काफी नुकसान किया। निश्चित रूप से गोदाम पहुंचने से पहले अनाज का भीग जाना किसान के लिये संकट का सबब बन जाता है। यह घटनाक्रम अब हर साल का हिस्सा है। हजारों टन अनाज बेमौसमी बारिश की भेंट चढ़ जाता है। जिससे अनाजों, फलों व सब्जियों की फसल खराब होने से खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं। पर्याप्त भंडारण की व्यवस्था न होने के कारण बिचौलिये जमाखोरी के जरिये वस्तुओं के दामों में कृत्रिम उछाल पैदा कर देते हैं। जो कालांतर खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ने का कारण बन जाता है। जिसका सीधा असर आम आदमी की थाली पर पड़ता है। वहीं दूसरी ओर रूस-यूक्रेन युद्ध, हालिया गाजा संकट एवं समुद्री जहाजों पर हूती विद्रोहियों के हमलों ने भी कच्चे तेल के दामों में तेजी पैदा की है। इस तरह पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में उछाल से ढुलाई का खर्च बढ़ जाता है।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

अब मालदीव से सतर्क रहने का वक्त

पुष्परंजन

मोहम्मद मुइज्जू ने चुनाव परिणाम को 'सुपर मेजोरिटी' कहा है। दो लाख 84 हज़ार 887 मालदीवियन वोटरों में से 84.14 फीसद ने संसदीय चुनाव में हिस्सा लिया था। मुइज्जू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने संसद की 93 सीटों में से 71 पर फतह की है। पीएनसी के पास अपने गठबंधन दलों के साथ कुल मिलाकर 75 सीटें हैं, जबकि मुख्य विपक्षी मालदीव डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) पहले की 65 सीटों से घटकर केवल 12 सीटों पर रह गई है। पीएनसी ने 90 प्रत्याशी उतारे थे, जबकि एमडीपी ने 89 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव लड़ा। 130 स्वतंत्र उम्मीदवारों से अलहदा जम्हूरी पार्टी (जेपी) के 10 और डेमोक्रेट्स के 39 कैंडिडेट्स थे। जीत-हार का फ़ासला सुनकर हैरान होइएगा। पचास-सौ वोट से भारत के किसी गली-मोहल्ले और हाउसिंग सोसायटी चुनाव में लोग हारते-जीतते हैं। दुनिया मॉमून मालदीव की विदेशमंत्री रह चुकी हैं। अहमद फारिस मॉमून उनके भाई हैं, जो कभी अर्थ मंत्रालय संभालते थे। पूर्व राष्ट्रपति मॉमून अब्दुल गयूम की दोनों संतानें इस बार चुनाव हार चुकी हैं। 1978 से 2008 तीस साल तक अखंड राज किया था मॉमून अब्दुल गयूम ने। उस कालखंड में इनकी संतानों के जलवे थे। जनमत की ताक़त ने चमकते चांद को टूटा हुआ तारा बना डाला। यह बात सफलता के नशे में चूर राष्ट्रपति मुइज्जू की समझ में शायद देर से आये। अभी सबको यही लग रहा है कि मुइज्जू ने 'इंडिया आउट' का जो नारा दिया था, उसका असर संसदीय चुनाव पर भी पड़ा है। बेशक पड़ा होगा। लेकिन अमेरिकी फैक्टर सबकी आंखों से ओझल है। इस परिणाम से अमेरिका को भी झटका लगा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि हमने चुनाव परिणामों पर बारीकी से नजर रखी है। हमें यह सुनकर खुशी हुई कि पर्यवेक्षकों ने कोई बड़ा मुद्दा या अनियमितता नहीं बताई है और नतीजे लोगों की इच्छा के अनुरूप हैं। हिंद-प्रशांत में क्षेत्रीय प्रभाव को विस्तार देने और चीन को बेअसर करने के लिए अमेरिका ने 2023 में माले में दूतावास खोला था। यों, अमेरिका ने मालदीव की स्वतंत्रता के बाद 1966 में उसके साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक साझेदारी को विस्तार देने के मकसद से अमेरिका ने सितंबर, 2020 में मालदीव से सुरक्षा सहयोग पर हस्ताक्षर किए थे। तो क्या मालदीव में अमेरिकी रणनीति विफल हो गई? दिल्ली पर सवाल दरपेश करने से पहले इस पर भी विचार करने की आवश्यकता है। मालदीव ने 1965 में इस्राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। उस समय इस्राइल, मालदीव को मान्यता देने वाला तीसरा देश था, और इस्राइली राजदूत मालदीव के राष्ट्रपति को अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत करने वाले पहले कूटनीतिक थे। 2009 में राष्ट्रपति मोहम्मद नाशीद के नेतृत्व में मालदीव ने इस्राइल के साथ पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। मालदीव इस्राइली पर्यटकों के बीच लोकप्रिय डेस्टिनेशन रहा है। लेकिन गाज़ा युद्ध के बाद सब कुछ बदल गया। वर्ष 2023 में फलस्तीन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मालदीव में 'इस्राइल आउट' जैसे प्रदर्शन आयोजित किये गये। मालदीव के सांसद सऊद हुसैन ने इस्राइली पासपोर्ट धारकों को देश में आने पर प्रतिबंध लगाने के लिए संसद में एक प्रस्ताव पेश किया था। साथ में इस्राइली युद्ध का समर्थन करने वाली कंपनियों के बहिष्कार का आह्वान किया था। इन सबका फायदा मुइज्जू की पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) को इस बार के संसदीय चुनाव में मिला है। भारत ने जिस तरह नेतन्याहू के प्रति सहानुभूति दिखाई, उसने भी चुनाव प्रचार के समय पीपुल्स नेशनल कांग्रेस के लिए ईंधन का काम किया था। पीएनसी की विजय और मुख्य विपक्षी मालदीव डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) की पराजय के पीछे पंचतंत्र की तरह कहानी के पीछे कहानियों के जाल बिछे हैं। इस समय सबसे गद्गद चीन है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम सफल संसदीय चुनावों के लिए मालदीव को बधाई देते हैं, और मालदीव के लोगों की पसंद का पूरा सम्मान करते हैं। हमें साझा भविष्य तय करना है। मालदीव के साथ काम करने को हम तैयार हैं।' अब जिस तरह मालदीवियन संसद 'मजलिस' में सुपर मेजोरिटी मुइज्जू की पार्टी को हासिल हुई है, चीन के सोये अरमान जग चुके हैं। शिन्हुआ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय रणनीति अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग ने कहा, 'चुनाव से पहले, विपक्षी दल ने संसद को नियंत्रित किया था, इसलिए मुइज्जू के राष्ट्रपति पद को काफी दबाव और चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। अब हासिल चुनावी जीत मुइज्जू को काफी मजबूत करती है, जो उनकी वर्तमान घरेलू और विदेशी नीतियों के सुचारु कार्यान्वयन के लिए फायदेमंद है।' थिएनक्वांगछिंग चाइनिज अकादमी ऑफ सोशल साइंस में सीनियर रिसर्च फेलो हैं। उनके बयान पर ग़ौर करें, तो चीनी मंशा साफ हो जाती है। थिएनक्वांगछिंग ने कहा, 'आकार और जनसंख्या के मामले में एक छोटे राष्ट्र के रूप में मालदीव की प्राथमिक चिंताएं स्वतंत्रता बनाए रखना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। मालदीव में भारत की सैन्य उपस्थिति देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए ख़तरा है। मुइज्जू का अभियान आर्थिक विकास पर काफी हद तक केंद्रित है। यह चुनाव राष्ट्रपति के विकास एजेंडे के लिए जनता के समर्थन को दर्शाता है।' मतलब साफ़ है कि चीनी बंदूक प्रेसिडेंट मुइज्जू के कंधे पर है। वो संसद में मालदीव के आर्थिक विकास के नाम पर 'वन बेल्ट रोड इनीशिएटिव' की कई सारी लंबित योजनाएं पास कराएंगे। संसद से रक्षा समझौतों की पुष्टि कराएंगे। इस इलाके में भारत के रणनीतिक असर को कैसे कम करना है, उसकी कवायद शुरू हो जाएगी। इसे काउंटर करने के लिए भारत को क्या करना चाहिए? यह सबसे बड़ा सवाल है। मालदीव भौगोलिक रूप से एक ओर अदन की खाड़ी और पश्चिमी हिंद महासागर के होर्मुज जलडमरूमध्य के चोकप्वाइंट पर टिका है, दूसरी ओर पूर्वी हिंद महासागर के मलक्का जलडमरूमध्य के चोकप्वाइंट के बीच एक 'टोल गेट' की तरह अवस्थित है। ऐसे सामरिक महत्व के मुल्क की हम उपेक्षा भी नहीं कर सकते। भारत और मालदीव के बीच 545 नॉटिकल माइल्स वाली समुद्री सीमा को एक द्विपक्षीय समझौते के माध्यम से सीमांकित किया गया था, जिस पर 28 दिसंबर, 1976 को हस्ताक्षर किए गए थे, और 8 जून, 1978 को लागू हुआ था। हमारी प्राथमिकता 'सतर्कता गई, दुर्घटना हुई' वाली स्थिति से बचने की होनी चाहिए। यों, भारत ने अपनी सैन्य क्षमता को उन्नत करने के लिए लक्षद्वीप द्वीप समूह में एक नया नौसैनिक अड्डा 'आईएनएस जटायु' स्थापित किया है। यह बेस मालदीव का निकटतम नौसैनिक अड्डा होगा। लेकिन, इसे काफ़ी मत मानिये। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कांग्रेस नेताओं के बयानों के निहितार्थ

(लेखक- सुरेश हिंदुस्तानी)

वर्तमान में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस की ओर से एक बार फिर से वैसी ही गलती दोहराई गई है, जो पिछले दो लोकसभा चुनाव के दौरान की गई। हो सकता है कि इसे कांग्रेस अपनी गलती नहीं माने, लेकिन ऐसी गलतियों को भाजपा ने सत्ता के शिखर पर पहुँचने के एक ऐसा सुगम रास्ता बनाया, जो उसकी जीत को आसान कर गया। हालांकि इस बार के चुनाव के लिए कांग्रेस ने भरपूर प्रयास किया है। राहुल गांधी द्वारा निकाली गई दो यात्राओं के माध्यम से सीधे जनता से जुड़ने का साहसिक प्रयास किया, इससे निश्चित ही कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के मन में उत्साह का संचार हुआ, लेकिन कांग्रेस नेताओं के मनमाने बयान इस उत्साह पर पानी फेरते दिखाई दिए। ऐसे बयानों के चलते ही कांग्रेस को अपने कदम पीछे खींचने पड़े। आज कांग्रेस के समक्ष कठिन सवाल यह भी है कि वह देश के मानस को समझ नहीं पा रही है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान वातावरण में हिंदुत्व का उभार राजनीति का केंद्र बिंदु बना हुआ है और विपक्षी दल कभी हिंदुत्व पर तो कभी भगवान् राम के बारे में ऐसा वक्तव्य दे देते हैं, जो उनको पीछे की ले जाते हैं।

पिछले दो लोकसभा चुनाव और अब 2024 के चुनाव के दौरान विपक्ष की ओर से जिस प्रकार से बयानबाजी की गई या की जा रही है, उसे भारतीय जनता पार्टी ने अपनी जीत सुनिश्चिति का मार्ग बनाने में देर नहीं की। हम जानते हैं कि 2014 के चुनाव में कांग्रेस की ओर से नरेन्द्र मोदी को चाय वाले के रूप में प्रचारित किया। भाजपा ने इसे ही अपना चुनावी मुद्दा बना लिया। इसके बाद जो दृश्य दिखा, उसमें देश का हर चाय वाला यानी देश का गरीब मतदाता स्वाभाविक रूप से मोदी के साथ जुड़ता चला गया। यहां तक कि कई स्थानों पर मोदी के नाम से चाय बेचने का अभियान जैसा चलता दिखाई दिया। इसी प्रकार 2019 के चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी को चौक़ीदार बताकर 'चौकीदार चोर है' कहकर विवादित बयान दिया, जिसके बाद एक बहुत बड़ा वर्ग यह कहने में गौरव का अनुभव करने लगा कि 'मैं भी चौक़ीदार' हूँ। हालांकि इस मामले में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी झूठे साबित हुए और इस बारे में कोई प्रमाण प्रस्तुत न कर सके। उन्हें न्यायालय में लिखित में माफी मांगनी पड़ी। इसके बाद कांग्रेस के प्रति देश में अविश्वास का भाव बनता गया और उसे लोकसभा के चुनाव में पराजय का सामना करना पड़ा। इस सबके बाद भी कांग्रेस ने कोई सबक नहीं लिया और इस बार भी कांग्रेस की ओर से ऐसी बातें बोली जा रहीं हैं, जिसे कांग्रेस की राजनीतिक कार्यप्रणाली भी माना जा सकता है। इस चुनाव में कांग्रेस ने जनसंख्या के आधार पर जाति को संपत्ति वितरित करने का नारा दिया है, इस नारे को भी भाजपा ने लपक लिया और कांग्रेस के लिए कैच आउट की अपील कर दी। इसमें तीसरे अम्पायर की भूमिका निभाने वाली जनता का निर्णय जानने के कुछ दिन की प्रतीक्षा करनी होगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा ने यह खुले रूप में कहा है कि वह जातिगत जनगणना कराकार आर्थिक सर्वे भी कराएगी, इसके बाद उसे संपत्ति दी जाएगी। उधर ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने यह कहकर कांग्रेस के लिए आत्मघाती मार्ग तैयार किया कि अमेरिका की तर्ज पर भारत में भी व्यक्ति के स्वर्गवास होने के बाद आधी से अधिक संपत्ति सरकारी खजाने में जानी चाहिए, लेकिन विदेश में कांग्रेस का कार्य देख रहे इस नेता को शायद यह नहीं मालूम कि अमेरिका का विकास और भारत का विकास एक जैसा नहीं हो सकता। भारत के संस्कारों की महक को आज अमेरिका भी अनुभूत कर रहा है, जबकि अमेरिकी संस्कृति से वहां के नागरिक दूर होते जा रहे हैं। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के इस बयान ने लोकसभा चुनाव के दौरान आग में घी डालने जैसा ही कृत्य किया है। इसे कांग्रेस के लिए विनाश काले विपरीत बुद्धि जैसा ही माना जा रहा है। सैम पित्रोदा के इस बयान के निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। इस बयान को विवादित कहा जाए या नहीं, यह परीक्षण का विषय हो सकता है, लेकिन आम जनता इसका क्या मतलब निकलेगी, यह चुनाव परिणाम ही बता पाएगा। फिलहाल तो यही माना जा रहा है कि सैम पित्रोदा ने अपने बयान के माध्यम से कांग्रेस के मंसूबों को एक बार फिर से स्पष्ट कर दिया है। सैम पित्रोदा ने पहले भी ऐसा ही एक विवादित बयान दिया, जिसमें उन्होंने सिख दंगों के बारे में कहा था कि जो हुआ सो हुआज इसका तात्पर्य यही था कि काँग्रेस को सिखों के मारे जाने का कोई अफसोस नहीं हुआ। अब एक और बयान देकर कांग्रेस की मेहनत पर पानी फेरने का काम किया है। जहां तक जातिगत जनगणना की बात है कांग्रेस सहित कई राजनीतिक दलों ने सदैव से ही मुसलमानों को केवल वोट मानकर राजनीति की। जिसके कारण मुसलमानों का समुचित विकास नहीं हो सका, लेकिन आज की केंद्र सरकार ने सबका साथ सबका विकास वाली अवधारणा को अपनाते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ देश के सभी गरीबों को दिया। जबकि कांग्रेस की योजनाएं तुष्टिकरण वाली रहती हैं। कांग्रेस के इस बार के घोषणा पत्र के बारे में भाजपा की ओर से कहा जा रहा है कि उस पर मुस्लिम लीग की छाप है। अगर ऐसा सही है तो इस प्रकार की मानसिकता देश के घातक ही होगी। मुसलमानों के बारे में सभी दलों को सोचना ही चाहिए, लेकिन केवल इन्हीं के बारे में सोचना चाहिए, यह ठीक नहीं। राजनीतिक दलों को सबके बारे में सोचना चाहिए।

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस सहित अन्य विपक्ष के राजनेताओं के भाषण के केंद्र में केवल भाजपा और नरेन्द्र मोदी ही हैं। यही हाल भाजपा का भी है, उसके नेताओं के भाषण भी बिना मोदी के अधूरे हैं। यह अलग बात है भाजपा उनके व्यक्तित्व और काम के आधार पर वोट मांग रही है और विपक्ष के राजनीतिक दल उनका विरोध करके वोट मांग रहे हैं। आज कांग्रेस और उसके सहयोगी दल भले ही मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन यह सभी दल यही चाहते हैं उनके दल को अच्छी संख्या में सांसद मिल जाएं। इसका तात्पर्य यही है कि सारे दल मिलकर भी एक नहीं हो पा रहे हैं। चुनाव के बाद कैसा राजनीतिक परिदृश्य होगा, यह अभी से कहना जल्दबाजी ही होगा, लेकिन कांग्रेस नेताओं के बयान एक बार फिर एक ऐसे विवाद को जन्म देते दिखाई दे रहे हैं, जो जनमानस को विचार करने के लिए प्रेरित करेंगे। कांग्रेस नेताओं के यह बयान लोकसभा चुनाव में क्या खेल दिखाएंगे, यह कांग्रेस के नेता अवश्य ही जानते होंगे, लेकिन देश में अब तुष्टिकरण की राजनीति नहीं होना चाहिए। इससे देश का भी नुकसान होगा और समाज का भी भला नहीं होगा।

विचार मंथन

साल गुजरा पर शांत नहीं हुआ मणिपुर

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दौरान हिंसा हुई। मतदान के बाद भी हिंसा जारी है। मतदान खत्म होने के 6 घंटे बाद ही कुकी उग्रवादियों ने रात करीब 12 बजे मोइरंग थाने के नारायण सेना गांव में सीआरपीएफ की 128 बटालियन के शिविर पर हमला कर दिया। ढाई घंटे तक आमने-सामने की मुठभेड़ होती रही। सीआरपीएफ के चार जवान घायल हुए। दो जवानों की अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। दो जवान घायल अवस्था में अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। इस मुठभेड़ में तीन उग्रवादी भी घायल हुए। मणिपुर में अभी तक सुरक्षा बलों के 12 से अधिक जवान शहीद हो चुके हैं। दोनों ही पक्षों के उग्रवादियों ने दर्जनों थाने के हथियार लूट लिए। केंद्र राज्य सरकार के प्रयास के बाद भी अभी तक यहां पर शांति स्थापित नहीं हो पाई। पिछले चार दशक में मणिपुर राष्ट्रीय विचारधारा से पूरी तरह जुड़ चुका था। राजनीति के चलते कुकी और मैतई समुदाय के बीच में आरक्षण को लेकर सुनियोजित ढंग से अलगाववाद को बढ़ाया गया। राज्य सरकार और हाईकोर्ट के एक आदेश से सीमावर्ती राज्य मणिपुर पूरी तरह से न केवल अशांत हुआ, वरन प्रशासनिक संरक्षण के चलते कुकी समुदाय के सैकड़ों चर्च तोड़ दिए गए। महिलाओं की नंगी परेड निकाली गई। ईसाई और हिंदू धार्मिक ध्रुवीकरण का मणिपुर में जो खेल शुरू हुआ, वह तमाम कोशिशों के बाद भी शांत नहीं हो पा रहा है। कुकी और मैतई समुदाय के सेकड़ों लोगों की मौत हिंसक वारदातों में हो चुकी है। हजारों लोग शरणार्थी शिविरों में पिछले कई महीनों से रह रहे हैं। मणिपुर दो भागों में बट चुका है। कुकी और मेतई एक दूसरे के इलाकों में नहीं जा पा रहे हैं। वर्तमान मुख्यमंत्री वीरेन सिंह की अगुवाई में अलगाववाद का जो खेल खेला गया था, वह और मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह दोनों ही बने हुए हैं। मुख्यमंत्री को लेकर दोनों पक्षों में नाराजगी है। दोनों पक्षों में शासन और प्रशासन का विश्वास पूरी तरह से खत्म हो चुका है। मेतई समुदाय मुख्यमंत्री वीरेन सिंह से नाराज है। उन्होंने जो वायदे मैतईं समुदाय से किए थे, वह उन्होंने पूरे नहीं किये। कुकी समुदाय और मेतई समुदाय के बीच हिंसा का वातावरण बनने से, दोनों ही समुदायों के लोग आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से परेशान हैं। इसका हल केंद्र सरकार नहीं निकाल पाई है। राज्य सरकार पर दोनों ही समुदायों को भरोसा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जरूर कुछ निर्देश दिए थे, लेकिन उनका पालन भी मणिपुर की सरकार नहीं कर रही है। इस कारण मणिपुर की अशांति खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दोनों ही समुदायों का वर्तमान मुख्यमंत्री और प्रशासनिक मशीनरी पर भरोसा नहीं रहा। प्रशासन नाम की कोई चीज मणिपुर में देखने को नहीं मिल रही है। मेतई समुदाय के इलाके में कुकी समुदाय के सरकारी कर्मचारी और अधिकारी नौकरी करने के लिए नहीं जा पा रहे हैं। इसी तरीके से मेतई समुदाय के सरकारी कर्मचारी और अधिकारी कुकी इलाकों में नहीं जा पा रहे हैं। इतने समय के बाद भी दोनों ही समुदाय के हजारों, शरणार्थी शिवरों में रहने के लिए बाध्य हैं। छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं शरणार्थी शिविरों में नारकीय जीवन जीने के लिए विवश हैं। स्कूल बंद है, कारोबार बंद है। पहली बार किसी राज्य में इस तरह की अशांत स्थिति इतने लंबे समय तक बनी रही है। लोग अपने ही राज्य में शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप करने के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। सीमावर्ती राज्यों को लेकर जिस तरीके की उपेक्षा केंद्र सरकार द्वारा की जा रही है। यह चिंता की बात है। जल्द से जल्द और समय रहते मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए सुनियोजित और समग्र प्रयास नहीं किए गए, तो पूर्वोत्तर राज्यों में भारत सरकार को लेकर जो विश्वास पिछले 50 सालों में बना था, वह विश्वास टूटते देर नहीं लगेगी। भारत सरकार और भारत की न्यायपालिका को स्वयं संज्ञान लेकर मणिपुर के दोनों वर्गों के नागरिकों के बीच विश्वास कायम करने के लिए आगे आना होगा। यह विश्वास तभी कायम होगा जब वर्तमान मुख्यमंत्री वीरेन सिंह को मुख्यमंत्री के पद से हटाकर केंद्र सरकार मणिपुर को अपने नियंत्रण में ले। दोनों ही समुदाय का भरोसा शासन और प्रशासन पर बनाना होगा। बिना किसी राजनीति के कुकी और मेतई के बीच में समन्वय बनाने का प्रयास किए जाने पर ही मणिपुर शांत होगा। इसमें अब और विलंब किया गया तो इसके परिणाम बड़े घातक साबित हो सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय बाजार से 6,300 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार बढ़ोतरी से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में घरेलू बाजार से 6,300 करोड़ रुपये निकाले। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक मार्च में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का भारी निवेश हुआ था। आंकड़ों से पता चला कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 26 अप्रैल तक भारतीय बाजार से 6,304 करोड़ रुपये निकाले हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा` कि अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार वृद्धि के कारण इक्विटी और बॉन्ड दोनों में एफपीआई ने ताजा निकासी की। वहां 10 वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल अब लगभग 4.7 प्रतिशत है, जो विदेशी निवेशकों के लिए बेहद आकर्षक है। उन्होंने कहा` कि मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि के तहत वहां से भारत में किए गए निवेश पर बदलाव विदेशी निवेशकों को परेशान कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा व्यापक आर्थिक संकेतों और ब्याज दर परिदृश्य में अनिश्चितता के साथ ही वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेत उभरते बाजारों के लिए चुनौती बढ़ा रहे हैं।

भारतीय युवा वर्ग में बेरोजगारी अधिक पर अस्थायी है: आशिमा गोयल

नई दिल्ली । आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने कहा कि युवा आयु वर्ग में बेरोजगारी सबसे अधिक है, लेकिन यह अस्थायी है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय युवा कौशल हासिल करने और उद्यम शुरू करने में अधिक समय लगाते हैं। गोयल ने कहा कि मजबूत वृद्धि के साथ देश में रोजगार सृजन में लगातार सुधार हो रहा है। अधिक योग्य लोगों में युवा बेरोजगारी अधिक है, लेकिन वे अधिक वेतन भी कमाते हैं। इसलिए युवा कौशल हासिल करने और नौकरी की तलाश में अधिक समय बिता रहे हैं। गोयल हाल ही में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की रिपोर्ट पर एक सवाल का जवाब दे रही थीं। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में बेरोजगार युवाओं की हिस्सेदारी लगभग 83 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि युवा आयु वर्ग इंतजार के दौरान अनौपचारिक काम करते हैं या उद्यमिता में जोखिम उठाते हैं, जहां बहुत अच्छा करते हैं। गोयल ने बताया कि आईएलओ की रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि हाल की अवधि में युवा बेरोजगारी में कमी आई है। बेहतर स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, बीमा, शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण सुविधाओं के माध्यम से युवाओं के लिए अवसरों को बढ़ाया जा सकता है, न कि स्थायी सरकारी नौकरियां देकर, जो सुरक्षा प्रदान करती हैं और साथ ही ठहराव भी।

मई में 14 दिन रहेगा बैंकों में अवकाश

नई दिल्ली । मई महीने में बैंकों में 14 दिन का अवकाश रहेगा। देश में कई वजहों से अलग-अलग स्थानों पर 8 दिन बैंकों में छुट्टी रहेगी। इनके अलावा 4 रविवार और 2 शनिवार को भी बैंक बंद रहेंगे। महीने की शुरुआत छुट्टे टी के साथ होगी। 1 मई को महाराष्ट्र दिवस/मई दिवस के कारण बेलापुर, बेंगलुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोच्चि, कोलकाता, मुंबई, नागपुर, पणजी, पटना और त्रिवेंद्रम में बैंक बंद रहेंगे। वहीं लोकसभा चुनाव की वोटिंग के कारण भी मई में 3 दिन कुछ राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। मई 2024 में शेयर बाजार में 8 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 6 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 1 मई को महाराष्ट्र दिवस और 20 मई को मुंबई में लोकसभा चुनाव पर भी बंद रहेगा।

इस सप्ताह अमेरिकी बैंक तय करेगा बाजार की चाल

मुंबई ।

कंपनियों की तिमाही आय के परिणामों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले और अन्य वैश्विक रुझानों से इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल तय होगी। बाजार जानकारों ने बताया कि इसके अलावा, विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधियों, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की दिशा और रुपया-डॉलर विनिमय दर जैसे कारक भी व्यापार को प्रभावित करने वाले है। महाराष्ट्र दिवस के कारण बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बंद रहेगा। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू स्तर पर चौथी तिमाही के नतीजे कुछ विशेष शेयरों को दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि मासिक ऑटो बिक्री के आंकड़े मई की शुरुआत में घोषित किए जाएंगे और मतदान का अगला चरण महत्वपूर्ण होगा। वैश्विक मोर्चे पर एक मई को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का नतीजा महत्वपूर्ण होगा। इसके अलावा चीन और अमेरिका से जारी होने वाले आर्थिक आंकड़ों के साथ ही वैश्विक मुद्रा बाजार में होने वाली हलचल भी बाजार को प्रभावित करेगी। इस सप्ताह टाटा केमिकल्स, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आईओसी, अडाणी

पावर, अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी ग्रीन एनर्जी, एमआरएफ और टाइटन के नजीते आने वाले हैं। जिनका सीधा असर मुंबई शेयर पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आगामी अमेरिकी फेडरल नीति, अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल डेटा वैश्विक बाजार को प्रभावित करेंगे। इसके अलावा घरेलू मोर्चे पर तिमाही नतीजों से बाजार प्रभावित होंगे।

बीते सप्ताह सोने-चांदी में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते 22 अप्रैल को सोना 73,161 रुपए पर था, जो अब 72 हजार के नीचे आया सोना, चांदी भी 81,374 प्रति किलोग्राम आ गई। दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,080 रुपए है। मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,930 रुपए है। कोलकाता में 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,850 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,930 रुपए है। चेन्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,760 रुपए है। भोपाल- 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,320 रुपए है। वेबसाइट के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 9,096 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 72,448 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 81,374 रुपए पर पहुंच गए हैं।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 448 परियोजनाओं की लागत 5.55 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने बताया कि 150 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निवेश वाली 448 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में अक्टूबर-दिसंबर 2023 के दौरान 5.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं के संबंध में 2023-24 की तीसरी तिमाही के लिए तिमाही परियोजना कार्यान्वयन स्थिति रिपोर्ट (क्यूपीआईएसआर) में 1,897 परियोजनाओं की जानकारी दी गई है। क्यूपीआईएसआर सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा तैयार किया जाता है। एक आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 1,897 परियोजनाओं में 448 परियोजनाओं की लागत में 5,55,352.41 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है, जो उनकी स्वीकृत लागत का 65.2 प्रतिशत है। रिपोर्ट के मुताबिक नवीनतम स्वीकृत लागत के मुकाबले 292 परियोजनाओं की लागत 2,89,699.46 करोड़ रुपये बढ़ी है। इसके अलावा 276 परियोजनाओं के संबंध में समय और लागत दोनों बढ़े हैं। कुल 1,897 परियोजनाओं में 56 परियोजनाएं समय से आगे चल रही हैं, 632 परियोजनाएं समय पर हैं और 902 परियोजनाओं में देरी हो रही है। शेष परियोजनाएं या तो पूरा हो चुकी हैं या उनके संबंध में जानकारी उपलब्ध नहीं है।

तेज गर्मी से इंसान ही नहीं कार भी हो जाती हैं बीमार, रखरखाव जरुरी

- एयर कंडीशनिंग सिस्टम के साथ एयर फिल्टर की भी कराएं साफ

नई दिल्ली ।

भारत के कई इलाकों में इस बार गर्मी ने रिकार्ड तोड दिए हैं। मौसम विभाग भी लगातार लू हीटवेव की चेतावनी जारी कर रहा है। तेज गर्मी और लू से लोग परेशान हैं। इसे निजात पाने कई तो समर विकेशन मनाने हिल्स स्टेशनों की प्लानिंग कर रहे हैं। क्योंकि आने वाला महीने में गर्मी अभी और सितम ढा वाली है।

गर्मी से बचने के लिए हम घरों में एसी चालू रखने से लेकर ज्यादा फ्लूइड पीने और कई बार नहाकर गर्मी को मात देने की कोशिश करते है। हम खुद को तेज गर्मी से बचाने के लिए तो तरह तरह के जतम करते हैं लेकिन हमें गर्मियों में अपनी कारों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। अधिक तापमान न सिर्फ हमारे शरीर पर बल्कि वाहनों के परफॉर्मेंस पर भी असर डालता है। इसलिए, गर्मी में कार का उचित रखरखाव जरूरी है। ताकि जरूरत पड़ने पर वाहन खराब न हो। ऐसे में आपको यह तय करना जरुरी है कि आपकी कार हीट वेव को मात देने के लिए तैयार है या नहीं। ऐसी गर्मी में अगर आपको दिन में गाड़ी चलाने की जरूरत पड़े, जब तापमान 40 डिग्री पहुंच गया हो और कार का एसी काम नहीं कर रहा हो तो ऐसी स्थिति में आप कैसा महसूस करेंगे। ऐसे में आप पहले ही एयर कंडीशनिंग सिस्टम की जांच करके करवा कर रखें। एसी गर्मी को मात देने सक्षम नहीं है तो उसे ठीक करवाने के लिए मैकेनिक के पास जाएं। साथ ही कार के एसी के एयर फिल्टर को भी साफ करवाएं। ठीक उसी तरह जैसे आप अपने घर के एसी के लिए करते हैं। कई बार कार का एसी एयर फिल्टर गंदगी से भर जाता है जिससे ठंडक कम हो जाती है या फिर ऐसी खराब हो जाता है। इसलिए इसे बार-बार साफ करें और जरूरत पड़ने पर इसे बदल दें। तेज गर्मी के दिनों में खुद को हाइड्रेट रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थ पीना एक महत्वपूर्ण काम है। हमारी कारें भी तरल पदार्थों पर ही निर्भर रहती हैं। जैसे इंजन ऑयल, ब्रेक ऑयल, इंजन कूलेंट, पावर स्टीयरिंग फ्लूइड, विंडशील्ड वाइपर फ्लूइड, ट्रांसमिशन फ्लूइड, ताकि वे ठीक से काम कर सकें। हीट वेव के कारण कार में मौजूद तरल पदार्थ पतले हो सकते हैं या गर्मी से उड़ भी सकते हैं। यह तय करें कि वे सभी जरूरत के हिसाब से अपने लेवल पर हैं। कार का इंजन आपके शरीर के दिल की तरह ही होता है। यह गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए ईंधन जलाकर पावर पैदा करता है। खराब इंजन से गाड़ी खराब हो सकती है। तेज गर्मी के दिनों में इंजन का तापमान बढ़ जाता है।

इसलिए, तरल पदार्थ महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इंजन कूलेंट पूरे सिस्टम के साथ थर्मोस्टैट, होसेस, रेडिएटर और वाटर पंप के साथ मिलकर यह तय करता है कि इंजन का तापमान सीमा से ज्यादा न हो। अगर आपको कोई गड़बड़ी महसूस होती है और इंजन का तापमान बढ़ रहा है। तो उसकी जांच करवाएं और ठीक करवा लें ताकि आपकी कार भी गर्मी में आपकी तरह सुरक्षित रहे।

बीते सप्ताह सरसों और बिनौला में सुधार का रुख रहा

- मूंगफली तेल तिलहन, सीपीओ एवं पामोलीन तेल में गिरावट देखने को मिली

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञों के अनुमान के विपरीत सरसों और कपास की आवक कमजोर रहने के बीच बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों तेल तिलहन तथा बिनौला तेल की कीमत मजबूती के साथ बंद हुई।

दूसरी ओर विदेशों में कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल में गिरावट होने से देश में इन तेलों की आपूर्ति की स्थिति में सुधार के बीच सोयाबीन एवं मूंगफली तेल तिलहन, सीपीओ एवं पामोलीन तेल के भाव में गिरावट देखने को मिली। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में पाम एवं पमोलीन के दाम घटे हैं लेकिन बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में अन्य तेल तिलहन में ज्यादा घट बढ़ नहीं थी। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 5,260-5,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 75 रुपये बढ़कर 10,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 1,720-1,820 रुपये और 1,720-1,835 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। दूसरी ओर समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,750-4,770 रुपये प्रति क्विंटल और 4,550-4,590 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी तरह सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 125 रुपये, 75 रुपये और 175 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 10,025 रुपये और 9,725 रुपये और 8,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल तिलहन में गिरावट रही। मूंगफली तिलहन का दाम 45 रुपये की गिरावट के साथ 6,125-6,400 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी क्रमशः 100 रुपये और 20 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 14,725 रुपये क्विंटल और 2,235-2,500 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 150 रुपये की गिरावट के साथ 8,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 10,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 9,175 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के उलट मंडियों में आवक घटने के कारण बिनौला तेल 25 रुपये की मजबूती के साथ 9,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम रविवार को यथावत रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83.66 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड बढ़कर 89.50 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और 92.15 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और 92.34 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और 90.76 रुपये प्रति लीटर है।

सेंसेक्स की प्रमुख छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.30 लाख करोड़ बढ़ा

- सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में रिलायंस सबसे मूल्यवान कंपनी रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान फर्मों में छह का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 1.30 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक लाभ हुआ। बीते सप्ताह भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 45,158.54 करोड़ रुपये बढ़कर 7,15,218.40 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 28,726.33 करोड़ रुपये बढ़कर 7,77,750.22 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 20,747.99 करोड़ रुपये बढ़कर 7,51,406.35 करोड़ रुपये हो गया। समीक्षाधीन अवधि में आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 18,914.35 करोड़ रुपये बढ़कर 5,49,265.32 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 9,487.5 करोड़ रुपये बढ़कर 6,24,941.40 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 7,699.86 करोड़ रुपये बढ़कर 5,93,636.31 करोड़ रुपये हो गया। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 26,115.56 करोड़ रुपये घटकर 19,64,079.96 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 6,371.34 करोड़ रुपये घटकर 11,46,943.59 करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी रही।

डीमैट खोलने से पहले जान लें 9 महत्वपूर्ण बातें

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश के लिए डीमैट अकाउंट खोलना जरूरी है। अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश करने जा रहे हैं तो कुछ बातों का जरूर ख्याल रखें। यहां पर आपको 9 महत्वपूर्ण बातें बताई जा रही है, जिनको अपनाकर आप सही डीमैट अकाउंट का चयन कर अच्छी बचत कर सकते हैं।

- ब्रोकर की विश्वसनीयता: डीमैट खाता उस ब्रोकर के पास खोलें, जिसकी मार्केट में अच्छी विश्वसनीयता हो।
- खाता खोलने का शुल्क: भारत में कई ब्रोकरेज कंपनियां डीमैट खातों पर वार्षिक रखरखाव शुल्क लगाती हैं, जो सीधे खाते की शेष राशि से काट लिया जाता है। डीमैट खोलने से पहले यह चेक करें कि कौन खाता खोलने के लिए कम पैसा ले रहा है।
- ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म: आसान ट्रेडिंग के लिए मोबाइल ऐप और वेब इंटरफेस सहित सहज ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म की पेशकश करने वाले ब्रोकरों को चुनें।
- रिसर्च और विश्लेषण: रिसर्च रिपोर्ट, बाजार विश्लेषण और शैक्षिक संसाधनों के प्रावधान के आधार पर ब्रोकरों का मूल्यांकन करें।
- ब्रोकरेज शुल्क: ब्रोकरेज शुल्क की तुलना करें, जिसमें लेनदेन शुल्क, ब्रोकरेज दरें और अन्य शुल्क शामिल हैं।
- कस्टमर सपोर्ट: ब्रोकर द्वारा दी जाने वाली कस्टमर सपोर्ट सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करें, जिसमें हेल्पलाइन उपलब्धता, ईमेल सपोर्ट और ऑनलाइन चैट विकल्प शामिल हैं।
- अकाउंट की विशेषताएं: मार्जिन ट्रेडिंग, आईपीओ निवेश, म्यूचुअल फंड निवेश और ब्रोकर द्वारा प्रदान की गई अन्य मूल्य वर्धित सेवाओं जैसी अतिरिक्त सुविधाओं के लिए डीमैट खाते का मूल्यांकन करें।
- सेफ्टी फीचर्स: सुनिश्चित करें कि ब्रोकर दो-कारक ऑथेंटिकेशन और एन्क्रिप्शन प्रोटोकॉल सहित व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के लिए मजबूत सेफ्टी फीचर्स लागू करता है।
- अकाउंट मैनेजमेंट: वैसा शेयर ब्रोकर चुनें जो आसानी से अकाउंट मैनेजमेंट की सुविधा प्रदान करता हो।

सरकार ने छह देशों को 99,150 टन प्याज निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कहा कि उसने निर्यात पर प्रतिबंध के बावजूद छह देशों को 99,150 टन प्याज भेजने की अनुमति दी है। केंद्र ने पश्चिम एशिया और कुछ यूरोपीय देशों के निर्यात बाजारों के लिए विशेष रूप से उगाए गए 2,000 टन सफेद प्याज के निर्यात की भी अनुमति दी है। सरकार ने आठ दिसंबर, 2023 को प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सरकार ने छह देशों- बांग्लादेश, यूएई, भूटान, बहरीन, मॉरीशस और श्रीलंका को 99,150 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी है। पिछले साल की तुलना में 2023-24 में खरीफ और रबी की पैदावार कम होने के अनुमान के चलते पर्याप्त घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्यात प्रतिबंध लगाया गया है। इन देशों को प्याज निर्यात करने वाली एजेंसी राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) ने ई-प्लेटफॉर्म के जरिए निर्यात के लिए घरेलू प्याज मंगाया है। हाल ही में भारत ने चालू वित्त वर्ष के दौरान मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी और दाल जैसी कुछ वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा के निर्यात पर प्रतिबंध को हटा दिया था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा था कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत मालदीव को इन वस्तुओं के निर्यात की अनुमति दी गई है। मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी, दाल, बजरी और नदी की रेत के निर्यात की अनुमति दी गई थी।

कार, टीवी और फोन महंगे हुए, इस साल मांग घटने की संभावना

नई दिल्ली ।

कार, टीवी और स्मार्टफोन जैसे प्रोडक्ट की कीमतों में बढ़ोतरी होती जा रही है। कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल की लागत बढ़ने से ऐसा किया जा रहा है। कॉपर और एल्युमीनियम उन वस्तुओं में शामिल हैं, जिनकी कीमतों में हालिया उछाल देखा गया है। इसके साथ ही मेमोरी चिप्स और डिस्प्ले पैनल जैसे कलपुर्जे की ऊंची लागत और रुपये में कमजोरी का असर मैन्युफैक्चरर्स के मार्जिन पर पड़ने लगा है। कंपनियों का कहना है कि कीमतों में बढ़ोतरी होने से मांग घटने की संभावना नहीं है। मारुति सुजुकी, होंडा कार्स इंडिया, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और किया इंडिया जैसी कार कंपनियों ने कमोडिटी कॉस्ट बढ़ने के चलते इस महीने अपने वाहनों के दाम 3 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। अन्य कंपनियों भी वृद्धि का मूल्यांकन कर रहे हैं। वहीं, नए स्मार्टफोन की कीमतें मेमोरी चिप्स और डिस्प्ले पैनल जैसे कंपोनेंट्स की कीमत में सिंगल डिजिट की वृद्धि को फैक्टर कर रही हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इससे स्मार्टफोन की कीमतों में 2-3 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनी अधिकारियों का कहना है कि नए लॉन्च के लिए कंप्यूटर की कीमतें में बढ़ोतरी हो सकती हैं, जबकि पुराने मॉडलों के लिए सामान्य कीमतों में गिरावट थम रही है। पुराने मारुति सुजुकी इंडिया ने स्वीफट की कीमत 25,000 रुपये तक बढ़ा दी है। कियाच इंडिया ने अपने कुछ मॉडलों की कीमतों में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। इसके अलावा कुछ अन्य मॉडलों की कीमतों में लगभग 1 फीसदी की वृद्धि की है। कंपनियों का मानना है कि कीमतों में बढ़ोतरी का डिमांड पर कोई खास असर नहीं होगा। सैमसंग इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का कहना है कि कंज्यूमर्स हर छह-सात साल में टीवी अपग्रेड करते हैं। ऐसे में कीमतों में बढ़ोतरी होने से डिमांड घटने की संभावना नहीं है।

Sports

बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के तरीके खोजें गेंदबाज : कोच

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच रेयान टेन डोशचेट ने कहा है कि इस आईपीएल सत्र में अब तक बल्लेबाज हावी रहे हैं। ऐसे में बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए गेंदबाजों को अब नये तरीके अपनाने होंगे। आईपीएल में इस बार जहां सनराइजर्स हैदराबाद ने तीन बार 250 से ज्यादा रन बनाये हैं। वहीं पंजाब किंग्स ने 262 रनों का सबसे बड़ लक्ष्य भी हासिल किया है। इससे साफ है कि अब गेंदबाज बल्लेबाजों को रोक नहीं पा रहे हैं। रेयान ने कहा, 'एक दशक पहले की तुलना में अब खेल पूरी तरह से बदल गया है। तब आप 160 रन बनाकर ही जीत तय मान लेते थे पर आज 250 रन भी सुरक्षित नहीं माने जा सकते हैं। अब बड़ा स्कोर बनाने के लिए आपको 13वें ओवर से पहले ही 160 रन बनाने होते हैं। साथ ही कहा कि पिछले मैच में पंजाब के 'इम्पैक्ट खिलाड़ी प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंदों में ही 54 रन जबकि जॉनी बेयरस्टो ने 48 गेंद में नाबाद 108 रन बना दिये थे। इसके अलावा शशांक सिंह ने 28 गेंद में नाबाद 68 रन बनाये। इससे साफ है कि अब गेंदबाजों को आक्रामक बल्लेबाजी रणनीतियों का मुकाबला करने के लिए अपनी परंपरागत रणनीति में बदलाव करना होगा। इसके तहत गेंदबाजी में विविधता लाते हुए हर गेंद अलग तरीके की फैंकनी होगी।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर में मुकाबला

कोलकाता ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम यहां सोमवार को अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगी। दोनो ही टीमों के बीच ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। केकेआर की टीम का प्रदर्शन इस आईपीएल सत्र में शानदार रहा है और वह 8 मैच में से 5 मैच जीतकर 10 अंकों के साथ ही तालिका में दूसरे नंबर पर है। वहीं दिल्ली की टीम ने शुरुआती हार के बाद 10 में से अपने पांच मैच जीतकर 10 अंक हासिल किये हैं और वह तालिका में पांचवे नंबर पर हैं। पिछले पांच में से चार मैच जीतकर दिल्ली के हौंसले बुलंद हो गये हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीम के बीच अब तक आईपीएल में कुल 33 आईपीएल मुकाबले खेले गए हैं जिसमें से दिल्ली ने 15 और कोलकाता ने 17 मुकाबले जीते हैं। वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इससे साफ है कि दोनों टीमों तकरीबन बराबरी पर हैं। केकेआर ने इस सत्र में एक मैच में दिल्ली का 106 रनों से हराया था। ऐसे में दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर हिसाब बराबर करना रहेगा। दिल्ली के लिए सकारात्मक बात ये है कि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब लय में आ गये हैं। उसके कप्तान ऋषभ पंत अपने पुराने अंदाज में खेल रहे हैं जबकि युवा जेक फ्रेसर-मैकगुर्क जबरदस्त फार्म में हैं। फ्रेसर ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ तेजी से अर्धशतक लगाकर मैच में अंतर पैदा किया। वहीं केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर के लय में नहीं होने से टीम की परेशानी बढ़ गयी है। केकेआर के पास सुनील नरेन और अंगकृष रघुवंशी जैसे सलामी बल्लेबाज हैं जिनपर दिल्ली को अंकुश लगाना होगा। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में बल्लेबाजों को सहायता मिलती है पर स्पिनर को खेलना यहां आसान नहीं होता। ऐसे में केकेकार के बल्लेबाजों को दिल्ली के स्पिनर कुलदीप यादव से सतर्क रहना होगा। वहीं दिल्ली के बल्लेबाजों को केकेआर के स्पिनर सुनील नरेन से सावधान रहना होगा। आईपीएल के इतिहास में अब तक कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में कुल 91 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 37 तो दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 54 मुकाबले जीते हैं। इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 167 रन है। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में इस बार जमकर रन बने हैं। यहां इस सत्र में हर मैच में 200 से ज्यादा रन बने हैं और लक्ष्य हासिल भी हो रहा है। यहां पिछले मैच में पंजाब ने 262 रन का लक्ष्य हासिल कर केकेआर को हराया था। ऐसे में इस मैच में भी बड़े स्कोर देखने को मिलेंगे।

गेंद और बल्ले में संतुलन लाने की जरुरत : गांगुली

मुम्बई ।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी गेंदबाजों की कमजोर हालत पर चिन्ता जतायी है। गांगुली कहा है कि इस आईपीएल सत्र में जिस प्रकार का खेल देखने को मिला है। उससे साफ पता चलता है कि बल्लेबाज हावी हैं और उन्हें रोकना गेंदबाजों के लिए असंभव होता जा रहा है। गांगुली ने कहा कि इसका कारण सपाट पिच होने के साथ ही 'इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर एक अतिरिक्त बल्लेबाज का नियम भी है। इसलिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को कोई ऐसा कोई तरीका खोजना होगा जिससे गेंद और बल्ले में संतुलन बनाया जा सके। गांगुली ने कहा कहा कि जिस प्रकार सभी टीमें आसानी से 200 रन से अधिक बना रही हैं। उससे साफ है कि गेंदबाजों का अब कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। गांगुली ने कहा कि गेंदबाजों के लिए इस प्रकार के हालात ठीक नहीं कहे जा सकते हैं। उनके खिलाफ हर जगह रन बनाए जा रहे हैं। इसलिए भविष्य में इस ओर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि खेल में रोमांच के लिए बल्ले और गेंद के बीच संतुलन रहना चाहिए। वहीं इस सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बीच बराबरी लाने के लिए गेंदबाजों को एक से बढ़ाकर दो बाउंसर डालने की भी अनुमति दी गयी थी पर इसका भी कोई लाभ होता नजर नहीं आ रहा। वहीं कई दिग्गजों का मानना है कि 'इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम से ये असंतुलन आया है।

इटली में कोनेजिलियानो टीम के सदस्य सीरीज 1 महिला वालीबाल लीग में जीत के बाद ट्रॉफी के साथ नजर आये।

टी20 विश्वकप में रोहित, विराट के पास रहेगा नये रिकार्ड बनाने का अवसर

मुम्बई ।

टी20 विश्वकप में कई रिकार्ड अब भी कायम हैं। ऐसे में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के पास इनको तोड़ने का अच्छा अवसर है। टी20 विश्व कप जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा पर सभी की नजरें होंगी। टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने 27 मैचों में सबसे ज्यादा 1141 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने 1016 दूसरे वहीं क्रिस गेल 965 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। इसमें रोहित ओर विराट के बीच मुकाबला है। रोहित ने 39 मैचों में 963 रन बनाए हैं। वह इस प्रकार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे नंबर पर हैं। टी20 वर्ल्ड कप में अभी तक 10 बल्लेबाजों ने शतक लगाये हैं। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम 2 शतक हैं। आगामी विश्व कप में कौन खिलाड़ी शतक जड़ता है या गेल को रिकॉर्ड कौन तोड़ता है, इसपर सबकी नजरें रहेंगी। विराट कोहली के नाम टी20 विश्व कप में सर्वाधिक बार 50 रन से ज्यादा का रिकॉर्ड है। कोहली ने 14 सबसे अधिक 14 अर्धशतक लगोय हैं जबकि रोहित शर्मा 9 अर्धशतक के साथ इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। गेल 7 अर्धशतक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। विराट टी20 विश्व कप के एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली ने बांग्लादेश में आयोजित 2013-14 टी20 विश्व कप में 6 मैचों में 319 रन बनाए जो किसी एक सत्र का सर्वाधिक स्कोर है. तिलकरत्ने दिलशान 317 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। दिलशान ने 2009 टी20 विश्व कप में 7 मैचों में ये आंकड़ा हासिल किया था। बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में टॉप पर हैं। शाकिब ने 36 मैचों में 47 विकेट अपने नाम किए हैं। शाहिद अफरीदी 39 विकेट और लसिथ मलिंगा 38 विकेट के साथ दूसरे और तीसरे

नंबर पर हैं। भारत के आर अश्विन 24 मैचों में 32 विकेट लेकर सातवें नंबर पर हैं। टी20 विश्व कप में सर्वाधिक छक्के जड़ने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है। गेल ने 33 मैचों में 63 छक्के लगाये हैं जबकि 39 मैचों में 35 छक्कों के साथ रोहित दूसरे जबकि 27 मैचों में 33 छक्कों के साथ जोस बटलर तीसरे नंबर पर कायम हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीसीबी ने कर्स्टन को सीमित ओवरों और गिलेस्पी को टेस्ट प्रारुप के लिए कोच बनाया

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन को सीमित ओवरों (टी20 और एकदिवसीय) प्रारुप के लिए टीम का नया कोच बनाया है जबकि जेसन गिलेस्पी को टेस्ट टीम के कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। पीसीबी ने कहा कि उसने टीम हित का देखते हुए दोनो ही प्रारुपों में अलग-अलग कोच रखे हैं। वहीं पूर्व आल राउंडर अजहर महमूद को सभी प्रारूपों के लिए टीम का सहायक कोच बनाया गया है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा, '' कर्स्टन और गिलेस्पी की नियुक्ति से खिलाड़ियों को समझाना चाहिये कि देश की क्रिकेट टीम को कितना महत्व दिया गया है। इसी कारण विदेशी कोच रखे गये हैं। '' उन्होंने कहा, ''हम टीम को सर्वश्रेष्ठ सुविधायें देना चाहते हैं, इसलिये ही हमने कर्स्टन और गिलेस्पी जेसे विश्व स्तर के कोच नियुक्त किये हैं। '' कर्स्टन 22 मई से इंग्लैंड के पाक दौरे के समय कोच पद की कमान संभालेंगे। इस सीरीज में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जायेंगे। इसके बाद टीम जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रवाना होगी। गौरतलब है कि पीसीबी गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही टीम के लिए पूर्णकालिक मुख्य कोच की तलाश कर रहा था। एकदिवसीय विश्वकप में पाक टीम नॉकआउट चरण में पहुंचने में असफल रही थी। उसके बाद से ही टीम के लिए नये कोच की मांग की जा रही थी। अब पीसीबी को उम्मीद है कि कर्स्टन और गिलेस्पी के मार्गदर्शन में उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी।

इशांत और वॉर्नर फिट नहीं होने के कारण अभी बाहर ही रहेंगे : आमरे

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने कहा है कि टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और तेज गेंदबाज इशांत शर्मा अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। इसलिए इन दोनो को ही अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया जाएगा। आमरे ने कहा कि इन दोनो को ही अपनी चोट से उबरने में अभी करीब एक सप्ताह का समया लगेगा। आमरे कहा, ' मेरा अंदाजा है कि वॉर्नर को पूरी तरह फिट होने में एक सप्ताह का समय और लगेगा। इशांत की पीठ में जकड़न अभी तक गयी नहीं है। इसके अलावा वॉर्नर भी अभी तक अपने हाथ में लगी चोट से नहीं उबर पाये हैं। इन दोनो का ही एमआरआई कराया गया है और रिपोर्ट में पता चला है कि इन दोनो को ही अभी दो से तीन सप्ताह तक आराम करना होगा। मुझे लगता है कि दिल्ली में सात मई को होने वाले अगले मुकाबले तक ये दोनो ही चयन के लिए उपलब्धि होंगे। वहीं पृथ्वी शॉ को लेकर उन्होंने कहा, 'जब हम मैदान में पहुंचे तो पृथ्वी कुछ असहज नजर आये। इसी कारण हमने तय किया कि यदि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं तो हम अभिषेक पोरेल के साथ उतरेंगे। दिल्ली कैपिटल्स का अगला मुकाबला अब 29 अप्रैल को कोलकाता में कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। इसके बाद ये दोनो ही सात मई को वापस आकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में खेलेंगे।

खराब शुरुआत और करीब 20 रन कम बनाने के कारण हारे : राहुल

लखनऊ।

लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने कहा है कि खराब शुरुआत व करीब 20 रन कम बनाने के कारण उनकी टीम इस मैच में हारी। लखनऊ को राजस्थान ने इस मुकाबले में सात विकेट से हरा दिया। राहुल ने कहा कि उनकी टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए करीब 20 से 25 रन कम बनाए जिससे अंतर आया। लखनऊ ने राहुल के 76 रनों की सहायता से पांच विकेट पर 196 रन बनाए और राजस्थान को जीत के लिए 197 रनों का लक्ष्य दिया जो राजस्थान ने 19 ओवरों में ही हासिल कर लिया। इस मैच में राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने 33 गेंद में 71 रन बनाये। सैमसन की ध्रुव जुरेल के साथ 121 रन की साझेदारी हुई। जुरेल ने भी नाबाद 52 रन बनाये। इस मैच में राहुल ने तेजी से खेलते हुए 48 गेंदों में 76 रन बनाये थे। राहुल ने कहा कि कमें करीब 20 रन और बनाने चाहिये थे पर खराब शुरुआत के कारण ऐसा हो नहीं पाया।

लखनऊ ने इस मैच में 11 रनों पर ही दो विकेट खो दिये थे। इसके बाद राहुल ने तीसरे विकेट के लिए दीपक हुड्डा 50 के साथ मिलकर 115 रन बनाये पर टीम अंतिम ओवरों में तेजी से रन नहीं बना पायी। वहीं रवि बिश्नोई को

देर से गेंदबाजी दिये जाने को लेकर राहुल ने कहा कि हमने सोचा था कि बिश्नोई का उपयोग अंतिम ओवर में करेंगे पर विरोध टीम ने अपने आक्रामक खेल से हमपर दबाद बना दिया। इसी लिए उसे गेंदबाज देने में देर करनी पड़ी। हम रोवमैन पोवेल और शिमरोन हेटमायर के खिलाफ उनका इस्तेमाल करना चाहते थे।

इस जीत के साथ ही राजस्थान की टीम पहले की तरह ही अंक तालिका में पहले स्थान पर बनी हुई है उसने 9 में से 8 मुकाबले जीते हैं जिससे उसके 16 अंक हैं, इस प्रकार उसकी प्लेऑफ के लिए दावेदारी पक्की है। वहीं लखनऊ की टीम नौवें मैच में चौथी हार के साथ चौथे स्थान पर फिसल गयी है।

पंड्या ने हार पर निराशा जताते हुए कहा, हम अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये

नई दिल्ली । मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। पंड्या ने माना कि इससे उनके लिए प्लेऑफ की राह कठिन हो गयी है। उन्होंने कहा कि हमें बीच के ओवरों में जोखिम लेने चाहिये थे पर ऐसा हो नहीं पाया। हमारे बल्लेबाज दिल्ली के स्पिनर अक्षर पटेल को निशाना बना सकते थे पर इसमें हमें सफलता नहीं मिली। पंड्या ने कहा कि हर मैच के साथ ही हमारी हार का अंतर कम हुआ है। शुरुआती मैचों में यह अंतर कुछ ओवरों का होता था जो अब कुछ गेंदों का होता जा रहा है। आज हमें बीच के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करनी थी पर बाएं हाथ के खिलाड़ी अक्षर पर दबाव नहीं बना पाये। वहीं दिल्ली के बल्लेबाज फ्रेजर मैकगर्क ने स्पिनरों के खिलाफ अवसर लेते हुए पूरा लाभ उठाया। जिसका लाभ दिल्ली को मिला। इस मैच की शुरुआत में ही मैकगर्क ने 27 गेंदों पर 84 रन बनाये थी। उनके अलावा अभिषेक पोरेल ने 3 चौके और 1 छक्के के साथ 27 गेंदों पर 36 रन बनाये व शाइ होप ने 17 गेंदों पर 5 छक्कों के साथ 41 रन वहीं मुम्बई की ओर से तिलक वर्मा के 63, हार्दिक पांड्या के 46, टिम डेविड के 37 रनों के बाद भी टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पायी। इस मैच में हार से अब मुम्बई की टीम 9 में से 6 मुकाबले हार गयी है। ऐसे में अब उसे प्लेऑफ की संभावनाएं बनाने बचे हुए सभी पांच मैच जीतने होंगे।

नौकायन से नेत्रा को पेरिस ओलंपिक का टिकट मिला

नई दिल्ली । भारत की नेत्रा कुमानन ने नौकायन में आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नेत्रा ने फ्रांस में हुए अंतिम क्वालीफायर मुकाबले में भारत की ओर से दूसरा पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया। नेत्रा ने महिलाओं की डिंघी (आईएलसीए 6) में भाग लेते हुए 'एमर्जिंग नेशन्स प्रोग्राम' के तहत ही ये कोटा हासिल किया। नेत्रा इस रेस में 67 नेट अंक हासिल कर पांचवां स्थान पाया। उसे नौकाचालकों में शीर्ष पर आने के कारण ही ओलंपिक कोटा मिला है। खेल की संचालन संस्था वर्ल्ड सेलिंग एमर्जिंग नेशन्स प्रोग्राम के तहत उन देशों के नाविकों की की सहायता करती है जो ये खेल ज्यादा नहीं खेलते हैं। महिलाओं की डिंघी में शीर्ष तीन खिलाड़ियों रोमानिया की एब्रू बोलाट ने 36 नेट अंक, साइप्रस की मारिलेना माक्री ने 37 नेट अंक और स्लोवेनिया की लिन प्लेटिकोस ने 54 नेट अंक हासिल कर सबसे पहले ओलंपिक कोटा हासिल किया था।

जहीर ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी पसंदीदा टीम में ऋषभ, यश दयाल को शामिल किया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए अपनी पसंदीदी टीम बनायी है। जहीर ने अपनी इस टीम में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को एकमात्र विकेटकीपर के रुप में शामिल किया है। वहीं उनकी इस टीम में युवा तेज गेंदबाज यश दयाल को भी शामिल किया गया है। यश दयाल घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश जबकि आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हैं। जहीर ने कहा, 'यश दयाल का स्थान 'अस्थायी होगा क्योंकि मोहम्मद शमी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उन्होंने कहा, 'यश एक ऐसा गेंदबाज है कि जिसे आप कभी भी किसी भी गेंदबाज के विकल्प के तौर पर जिम्मेदारी दे सकते है। जहीर ने अपनी इस टीम में संजू सैमसन, केएल राहुल और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों को जगह नहीं दी है जिससे सभी हैरान हैं। जहीर ने कहा, 'ऋषभ मेरे एकमात्र विकेटकीपर हैं। मैंने चार तेज गेंदबाज लाने को प्राथमिकता दी है। आप दूसरे विकेटकीपर के लिए एक तेज गेंदबाज को कम नहीं कर सकते। आपके पास केएल राहुल, संजू सैमसन जैसे विकल्प हैं और कई लोग अनुभवी दिनेश कार्तिक को देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'कार्तिक की बात करें तो इस समय हम महेंद्र सिंह धोनी के स्ट्राइक रेट के कारण उन पर भी विचार कर सकते हैं। अगर आप एक महीने तक चलने वाले टूर्नामेंट के लिए एक टीम बना रहे हैं तो ही 'रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर आपका विकेटकीपर हो सकता है। जहीर ने अपनी टीम में 16 खिलाड़ियों को जगह दी है। उन्होंने कहा कि शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के बीच केवल एक खिलाड़ी को रोहित शर्मा के सलामी जोड़ीदार के तौर पर चुना जायेगा। उन्होंने कहा, 'चयनकर्ताओं के लिए ये काफी कठिन फैसला होगा। मुझे लगता है कि शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल में से केवल एक ही जगह बना पाएगा।

टी20 विश्व कप के लिए जहीर खान की पसंदीदा भारतीय टीम इस प्रकार है:

बल्लेबाज: रोहित शर्मा, शुभमन गिल या यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह

ऑलराउंडर : शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जड़ेजा , विकेटकीपर : ऋषभ पंत, गेंदबाज : जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, यश दयाल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल।

सहायक कोच आमरे ने फ्रेंसर की जमकर प्रशंसा की

डेब्यू के बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शनकर रहे ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगर्क की जमकर प्रशंसा की है। आमरे ने कहा कि मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में जीत के दौरान फ्रेसर शानदार पारी खेली थी। साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज ने डेब्यू के बाद से ही बेहतर प्रदर्शन करते हुए अब तक तीन अर्धशतक लगाये हैं। मुम्बई के खिलाफ मैच में फ्रेसर ने केवल 15 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया था। मुम्बई के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर ही 84 रन बना दिये। इस मैच में दिल्ली को 10 रन से जीत मिली। इससे टीम की प्लेऑफ की संभावनाएं बढ़ी हैं। दिल्ली ने इस बल्लेबाज को लुंगी एंगिडि के विकल्प के रूप में 50 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीदा था। वह टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। इस खिलाड़ी ने टीम में शामिल उन खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन किया है जिन्हें करोड़ों की राशि देकर खरीदा गया था। आमरे ने कहा ,'जैक ने अभी तक तीन ही मैच खेले हैं पर हमें नेट्स पर ही पता चल गया था कि वह टीम के लिये अंतर पैदा कर सकता है। उसके कारण ही हमें मुम्बई के खिलाफ अच्छी शुरुआत मिली है और हम जीत पाये।' इसके अलावा उन्होंने एक ही ओवर में दो विकेट लेने वाले इंपैक्ट खिलाड़ी रसिख सलाम की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उसके पास गेंदबाजी में अच्छी विविधता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूजा पाठ करने वालों को 'आध्यात्मिक' कह दिया जाता है, लेकिन अध्यात्म का मूल अर्थ ईश्वरीय चर्चा या ईश्वर ज्ञान कतई नहीं है।

क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्मं किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरूषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन-अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व'

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट्र, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमाएं विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रह्माण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमाएं टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: '

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: ' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

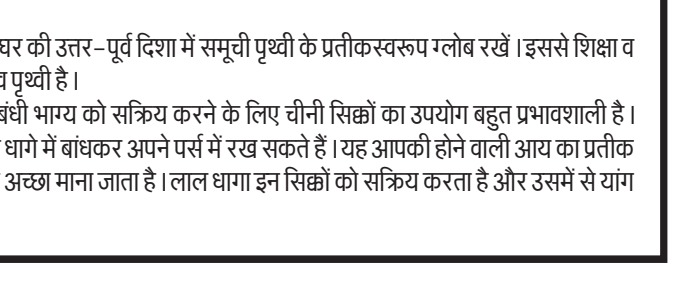

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावत: भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंत:प्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

महर्षि अरविन्द के सत्य विचार हमें सतही बौद्धिकता से परे चेतना के दिव्य आध्यात्मिक लोक में ले जाते हैं। उनके विचार उपनिषद के सूत्रों की तरह सघन अर्थों से भरे होते हैं। प्रत्यक्ष और गहन अनुभूति से उत्पन्न होने के कारण उनके कथन अमूल्य रहे हैं।
आइए जानते हैं ऑरोविला के नायक इस महान दार्शनिक के सुविचार ...

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंत: प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशत: अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्राय: आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंत:प्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से नि:स्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंत:प्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंत:प्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णत: अंत:प्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुन: जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक, असंतोषजनक, कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं – मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फलस्तीन समर्थक छात्रों के साथ प्रदर्शन में उतरे शिक्षक

न्यूयार्क। अमेरिका की शिक्षण संस्थाओं में फलस्तीनियों के समर्थन वाला आंदोलन फैलता जा रहा है। कई विश्वविद्यालयों और कालेजों में आंदोलन को बलपूर्वक कुचलने और सैकड़ों छात्र-छात्राओं की गिरफ्तारी के बाद अब संस्थाओं का प्रशासन छात्रों से बातचीत की राह पर है। गाजा में इजरायल के हमलों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे विश्वविद्यालय छात्रों के साथ में अब उनके शिक्षक भी आ रहे हैं। कई विश्वविद्यालयों और कालेजों में शिक्षकों ने परिसर में पुलिस बुलाने के लिए संस्थान के प्रशासन की निंदा की है। कोलंबिया विश्वविद्यालय में धरना दे रहे छात्रों से वार्ता की शुरुआत हो चुकी है। अभी तक धरने को खत्म करने की चेतावनी दे रहे विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार रात विद्यार्थियों को ईमेल भेजकर कहा कि परिसर से पुलिस को वापस भेजने के कदम उठाए जा रहे हैं। इससे विश्वविद्यालय का वातावरण बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। प्रशासन ने कहा कि दो दिन पहले विश्वविद्यालय में यह आंदोलन बाहरी और पेशेवर लोगों ने शुरू करवाया। इस दौरान आंदोलन में यहूदी विरोधी नारेबाजी की गई और उन्हें मारने का आह्वान किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक्स पर पोस्ट संदेश में कहा है कि परिसर में इस तरह की भावनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। आंदोलनकारी छात्रों, उन्हें समर्थन दे रहे शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों ने कैलिफोर्निया, जार्जिया और टेक्सास में संस्थाओं के प्रशासन के खिलाफअविश्वास प्रस्ताव लाने की चेतावनी दी है। आगे कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बलपूर्वक दबाने के लिए प्रशासन ने पुलिस की सहायता ली, जो गलत है। इस बीच कैलिफोर्निया स्टेट पालीटेक्निक यूनिवर्सिटी में बेरिकेडिंग कर धरना दे रहे छात्रों को सोमवार तक पढ़ाई बाधित करने वाला अपना आंदोलन खत्म करने के चेतावनी दी गई है। इसके बाद पुलिस उन्हें हटाने के लिए कार्रवाई करेगी। कोलोराडो में भी पुलिस ने डेनवर आरेरिया कैंपस में घुसकर आंदोलनकारियों के खिलाफकार्रवाई की है और 40 फलस्तीन समर्थकों को गिरफ्तार किया है। न्यूयार्क की कई संस्थाओं ने आंदोलन को शांत करने के लिए वार्ता प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया गया है। गाजा में मृतकों की संख्या बढ़ने के साथ ही अमेरिका में इजरायल की मदद रोकने और उसके साथ सहयोग समझौता तोड़ने की मांगें तेज हो गई हैं। शनिवार को बोस्टन के नार्थ ईस्टर्न विश्वविद्यालय में पुलिस ने परिसर में चल रहे धरने और आंदोलन को खत्म करवाने के लिए कार्रवाई की।

इराक में समलैंगिक संबंध बनाने पर मिलेगी 15 साल की सजा

वॉशिंगटन। इराक में अब समलैंगिक संबंध को अपराध मान लिया गया है। यदि कोई समलैंगिक संबंध बनाता है तो उसे 15 साल की सजा मिल सकती है। इराक की संसद में समलैंगिक संबंधों को लेकर एक कानून पारित किया गया। इराक के संसद ने समलैंगिक संबंधों को अपराध माना है। वहीं, कानून के मुताबिक, समलैंगिक संबंध बनाने वालों को 15 साल की सजा का ऐलान भी कर दिया गया। धार्मिक मूल्यों के आधार पर इराक के संसद ने यह कानून पारित किया है। बता दें वैश्यावृति के खिलाफ भी इराक की संसद ने सख्त कदम उठाया है। ह्यूमन राइट्स वॉच की सदस्य सारा संबर ने भी इराक के इस फैसले पर चिंता जाहिर की है। इराक के इस कानून को लेकर एलजीबीटी समुदाय और पश्चिमी देशों ने कड़ी आलोचना जताई है। अमेरिका और यूरोपीय संघ ने भी इराक के इस फैसले पर आपत्ति जाहिर की है। बता दें कि इराक में समलैंगिकता को बढ़ावा देने वालों को भी सजा होगी। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि अमेरिका इस फैसले पर चिंतित है। यह बदलाव संवैधानिक रूप से संरक्षित मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के लिए खतरा है।एमनेस्टी इंटरनेशनल के इराक शोधकर्ता रजाव सालिही ने कहा, इराक ने एलजीबीटीआई समुदाय के सदस्यों के साथ वर्षों से किए जा रहे भेदभाव और हिंसा को प्रभावी ढंग से कानून में संहिताबद्ध कर दिया है।

बाइक सवार ने कार में बैठी टिकटॉक स्टार ओम फहद पर दागीं गोलियां,मौत

बगदाद। इराक की मशहूर टिकटॉक स्टार ओम फहद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जोयौना जिले में उनके घर के बाहर देर रात गोली मारी गई। हत्या की इस घटना को कैमरे में रिकॉर्ड किया गया है। हमलावर एक मोटरसाइकिल पर काले कपड़े और हेलमेट पहनकर आया था। वह इस हत्या को अंजाम देने के लिए मोटरसाइकिल से उतरा और वहां पहले से खड़ी एक काली एसयूवी की ओर चला गया। उसने कार में बैठी ओम फहद को गोली मार दी। हत्याकांड की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। बता दें कि ओम फहद का असली नाम गुफरान सावादी है। वह पॉप गानों पर डांस करते हुए टिकटॉक पर वीडियो बनाती है। यहां उसके 5 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। इससे पहले फरवरी 2023 में उसे एक अदालत द्वारा छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने माना था कि उनके वीडियो में अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया गया था। उनके कुछ वीडियो को दस लाख से अधिक बार देखा गया था।जनवरी 2023 में इराकी आंतरिक मंत्रालय द्वारा इराकी समाज में नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों की रक्षा का हवाला देते हुए ओम फहद जैसे प्रभावशाली लोगों के पोस्ट की जांच के लिए एक समिति का गठन किया था।

फ्लाइट की टॉयलेट सीट के नीचे फोन छिपाकर बनाता था वीडियो

बोस्टन। अमेरिकन एयरलाइंस के एक फ्लाइट अटेंडेंट को हवाई जहाज के बाथरूम में चोरी छिपे 14 वर्षीय लड़की का वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश करने के मामले में अभियोजित किया है। किशोरी बाथरूम में दाखिल हुई और उसने टॉयलेट सीट के ढक्कन के नीचे लाल स्टिकर देखे। स्टिकर के नीचे आइफोन छुपाया गया था। लड़की ने अपने फोन से उनकी तस्वीरें ले ली थीं। शिकायत के बाद जांचकर्ताओं ने कहा कि दो सितंबर 2023 को चार्लोट से बोस्टन की उड़ान के बीच किशोरी का वीडियो बनाने की कोशिश की गई थी। उसके सीट के पास का शौचालय भरा होने पर थांपसन ने प्रथम श्रेणी का शौचालय इस्तेमाल करने की सलाह दी। साथ ही हाथ धोने का बहाना कर वह शौचालय में अपना आइफोन छिपा दिया था।यह मामला पिछले सितंबर में सामने आया था। पुलिस ने आरोप लगाया कि 36 वर्षीय एस्टेस कार्टर थांपसन के पास विमान में शौचालय का उपयोग करने वाली चार अन्य लड़कियों की रिकॉर्डिंग थी। थांपसन को जनवरी 2024 में वर्जीनिया में गिरफ्तार किया गया था। वह तब से हिरासत में है। उसके वकील ने संघीय ग्रैंड जूरी द्वारा अभियोग के बाद कहा कि वह टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।

सलमान रुश्दी की 27वीं किताब बाजार में आई

न्यूयार्क सिटी। दक्षिण एशिया के मशहूर लेखकों में से एक सलमान रुश्दी की 27वीं किताब नाइफ- मेडिटेशन्स आफ्टर एन अटेम्प्टेड मर्डर बाजार में आ चुकी है। रुश्दी फिलहाल न्यूयॉर्क में अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। उन पर हुए जानलेवा हमले के बाद भी रुश्दी ने अपना लेखन जारी रखा है। दक्षिण एशिया के सबसे प्रिय लेखकों में से एक और मिडनाइट्स चाइल्ड के लेखक सलमान रश्दी अपने जन्म के 74 साल बाद लगभग मर ही गए थे।

वाशिंगटन में व्हाइट हाउस कोरेसपोंडेंट डिनर के दौरान गाजा के समर्थन में नारेबाजी करते हुए लोग।

भारत का दौरा टाल.....चुपचाप चीन पहुंचे एलन मस्क

बीजिंग । टेस्ला सीईओ और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क रविवार (28 अप्रैल) को चीन के दौरे पर रवाना हुए हैं। हैरानी वाली बात ये है कि मस्क का चीन दौरा उस समय पर हो रहा है, जब कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपने भारत दौरे को टाल दिया था। उन्होंने कहा था कि टेस्ला के काम की वजह से वह भारत नहीं आ पाएंगे। मस्क के नहीं आने की जानकारी 20 अप्रैल को सामने आई थी। भारत दौरे पर मस्क प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने वाले थे। इस मुलाकात में भारतीय बाजार में टेस्ला के गृहप्रवेश की चर्चा थी। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल का मार्केट भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत दौरा टलने पर मस्क ने कहा था, दुर्भाग्य से बहुत बड़े टेस्ला दायित्वों की वजह से भारत यात्रा को टालना पड़ रहा है, लेकिन मैं इस साल के आखिर में वहां आने के लिए उत्साहित हूं। मस्क के अचानक हो रहे चीन दौरे की वजह से कई तरह के सवाल उठ खड़े हो रहे हैं। हालांकि, ज्यादातर लोगों का कहना है कि मस्क चीन इसलिए पहुंचे हैं, ताकि चीनी इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट में टेस्ला का प्रवेश कर सके। चीन इलेक्ट्रिक वाहनों का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। चीन में इस वक्त बीवॉयडी, ली ऑटो नाम की कार कंपनियां हैं, जो ईवी में गाड़ियां बना रही हैं। बीवॉयडी की इलेक्ट्रिक कारें चीन में सबसे ज्यादा बिकती हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि मस्क चीन बीजिंग में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात करने वाले हैं। बैठक में टेस्ला सीईओ चीन में फुल-सेल्फ ड्राइविंग (एफएसडी) सॉफ्टवेयर को लागू करने के लिए बात करने वाले है। वह टेस्ला कारों में दी जाने वाली ऑटोनोमस ड्राइविंग टेक्नोलॉजी के लिए एल्गोरिदम को ट्रेनिंग देने के इरादे से चीन में इकट्ठा किए गए डेटा को विदेश यानी अमेरिका में ट्रांसफर करने की मंजूरी भी मांगने वाले हैं।

इजराइल पर हमास के हमले में अपने कर्मियों की संलिप्तता के आरोपों की जांच कर रहा है संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ता उन आरोपों की जांच कर रहे हैं कि फलस्तीन के लिए उसकी राहत एजेंसी के 19 कर्मियों में से 14 कर्मचारी हमास आतंकवादियों द्वारा इजराइल पर किए हमले में शामिल थे। एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र के इन कर्मियों के हमले में शामिल होने का दावा किया है जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र इस मामले की जांच कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने जांच के आदेश दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र का आंतरिक निरीक्षण सेवा कार्यालय जनवरी में इजराइल की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच कर रहा है।

दुजारिक ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के 19 राहत कर्मियों में से एक के खिलाफ मामला बंद कर दिया गया है क्योंकि इजराइल ने कोई सबूत मुहैया नहीं कराया और चार अन्य कर्मियों के खिलाफ सबूतों के अभाव में जांच निलंबित कर दी गयी है। इजराइल ने जनवरी में आरोप लगाया था कि संयुक्त राष्ट्र की यूएनआरडब्ल्यूए एजेंसी के 12 कर्मचारी दक्षिणी इजराइल में सात अक्टूबर को किए गए हमलों में शामिल थे। उस हमले में हमास के आतंकवादियों ने करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया था। एजेंसी ने उस समय सभी आरोपी कर्मचारियों के अनुबंध समाप्त कर दिए थे। दुजारिक ने कहा कि इजराइल ने बाद में आरोप लगाए थे कि संयुक्त राष्ट्र के सात और कर्मी इन हमलों में शामिल थे।

इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि इजराइली सेना की एक बटालिन ने गाजा में युद्ध से पहले वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों के मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन किए थे। बहरहाल, उन्होंने सदन के स्पीकर माइक जॉनसन को लिखे एक पत्र में कहा कि वह इजराइल को गलती सुधारने के लिए और वक्त देने के वास्ते इस बटालियन की सहायता रोकने के फैसले को स्थगित कर रहे हैं। इजराइली नेताओं ने इस सप्ताह अमेरिका के ऐसे फैसले को भांपते हुए सहायता रोकने का कड़ा विरोध किया था।

इराकी अधिकारी कर रहे हैं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या मामले की जांच

(एजेंसी)। इराकी अधिकारी एक प्रसिद्ध सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की उसके घर के सामने हत्या किए जाने मे मामले की जांच कर रहे हैं। देश की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर गुफरान महदी सवादी 'टिकटॉक' और 'इंस्टाग्राम' पर बेहद लोकप्रिय थीं।

इन सोशल मीडिया मंचों पर वह अपने वीडियो पोस्ट करती थीं और अधिकतर वीडियों में उन्हें संगीत की धुन पर थिरकते देखा जा सकता है। वह 'उम फहद' नाम से भी जानी जाती थीं। उन्हें उनके घर के सामने मोटरसाइकिल सवार सशस्त्र बदमाश ने गोली मार दी।

सोशल मीडिया पर फहद के हजारों 'फॉलोअर्स' है। फहद की हत्या जायूना में की गई और यह वही स्थान हैं जहां प्रमुख इराकी शोधकर्ता और सुरक्षा विशेषज्ञ हिशाम अल-हाशिमी को 2020 में गोली मारी गई थी। एक इराकी सुरक्षा अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि शुक्रवार को जब फहद ने अपनी कार अपने घर के बाहर खड़ी की तभी हमलावर ने उन पर गोलियां चलाईं जिससे उनकी मौत हो गई। हमलावर उनका फोन भी अपने साथ ले गए।

फहद सोशल मीडिया से जुड़ी पहली हस्ती नहीं हैं जिनकी हत्या की गई है।पिछले वर्ष नूर अलसफर की भी शहर में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। नूर ट्रांसजेंडर थीं और उनके भी सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स थे।

फहद के पड़ोसी अबु अदम ने बताया कि गोलियों की आवाज सुन कर वह बाहर आए तो देखा कि फहद की कार का दरवाजा खुला था और वह स्टेयरिंग पर औंधे मुहं पड़ी थीं। उन्होंने कहा,'' फहद के साथ एक अन्य महिला थी जो हमले के बाद वहां से चली गई। घटना के बाद सुरक्षा बल के जवान पहुंचे। उन्होंने पूरे इलाके की घेराबंदी की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।'' पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्रिज से कूदकर जान देना चाहते थे जो वाइडन,खुद ने किया खुलासा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने खुद से जुड़े कई खुलासे किए हैं। बाइडन ने हॉवर्ड स्टर्न को दिए इंटरव्यू में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि अपनी पहली पत्नी नीलिया हंटर की मौत के बाद एक बार उन्होंने ब्रिज से कूदकर जान देने के बारे में सोचा था। बाइडन ने आत्महत्या के विचारों के आने का खुलासा किया। उन्होंने कहा, डेलावेयर मेमोरियल ब्रिज पर जाकर बैठता था और सोचता रहता था। मुझे लगता था कि मैं एक स्कॉच की बोतल निकालू। मैंने वास्तव में सोचा था कि आपको आत्महत्या करने के लिए पागल होने की जरूरत नहीं है। यदि आप एक पहाड़ की चोटी पर हैं, तो आपको लगता है कि यह फिर कभी नहीं होगा। उन्होंने बताया, मैं बस स्कॉच पीने जाता था और नशे में रहता था। एक समय मेरे दिमाग में आया कि मैं डेलावेयर मेमोरियल ब्रिज से कूद जाऊं, लेकिन मेरे दो बच्चे थे। राष्ट्रपति ने कहा कि खुदकुशी के लिए पागल होने की जरूरत नहीं होती है।

इसके अलावा बाइडन ने अपनी पहली पत्नी नीलिया हंटर के साथ अपने संबंधों के बारे में भी कुछ दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने कहा, मैंने नीलिया के साथ सोने से पहले ही कह दिया था कि मुझे लगता है कि मैं आपसे शादी करूंगा। हालांकि, 1972 में एक कार दुर्घटना में नीलिया की मौत हो गई थी। राष्ट्रपति बाइडन ने एक बार का किस्सा बताया। उन्होंने मजाक करते हुए बताया कि जब उनकी शादी नहीं हुई थी और वह सांसद थे तब प्यारी महिलाओं ने ईमेल पर उन्हें कुछ अश्लील तस्वीरें भेजी थीं। उन्होंने मजे लेते हुए कहा, बहुत सारी प्यारी महिलाएं थीं। लेकिन यह लोग बहुत ही अश्लील तस्वीरें भेजती थीं और मैं उन्हें सीक्रेट सर्विस को दे देता था। मैंने सोचा कि कोई सोचेगा कि मैं था। अब सवाल उठता है कि इन तस्वीरों को सीक्रेट सर्विस को क्यों दिया? उनकी रुचि केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपतियों के साथ है, न कि एक सांसद के लिए। बाइडन ने 1973 से 1977 तक एक अविवाहित सांसद के रूप में काम किया है। बाइडन ने कहा, मुझे लग रहा है कि वह किसी से (डोनाल्ड ट्रंप) डर रहे हैं। 46 वें अमेरिकी राष्ट्रपति ने नागरिक अधिकारों के विरोध में अपनी भागीदारी की एक सच्ची कहानी भी सुनाई, जिसमें दावा किया गया कि उन्हें एक बार पोर्च पर एक काले परिवार का साथ देने के लिए गिरफ्तार किया गया था। इस पर स्टर्न ने कहा कि आपका करियर कितना ही शानदार है।

मरियम सरकार को धमकी, संगीत और नृत्य प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देना बंद करें...नहीं तो अंजाम बुरा होगा : टीटीपी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा सूबे में सक्रिय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) अब पंजाब तक पहुंच गया है। टीटीपी ने धमकी दी है कि अगर पाकिस्तानी पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज प्रशासन प्रांत में संगीत और नृत्य प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देना जारी रखेगा, तब गभींर परिणाम भुगतान होगा। बयान में जनता, विशेषकर छात्रों से धार्मिक कारणों से इसतरह के अश्लील आयोजनों का बहिष्कार करने का भी आह्वान किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि टीटीपी के बयान पर दक्षिणी पंजाब के लिए टीटीपी के शैडो गवर्नर उमर मुआविया ने हस्ताक्षर किए हैं।

कुछ दिन पहले, टीटीपी के राजनीतिक धड़े के नेता फकीर मुहम्मद ने अफगानिस्तान में एक अज्ञात स्थान पर जमात-उल-अहरार गुट से जुड़े लोगों सहित टीटीपी के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठक की थी। इस दौरान चर्चा किए गए विषयों में से एक यह भी था कि पंजाब प्रांत सहित टीटीपी के समर्थन आधार, सदस्यता और संचालन का विस्तार कैसे किया जाए। इस सप्ताह की शुरुआत में, टीटीपी ने भारत के साथ लगी वाघा सीमा के पास लाहौर में एक हमले का दावा किया, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

खतरे में भारत का दोस्त... तुर्की बना रहा शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर

इस्तांबुल (एजेंसी)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन अपने देश को भूमध्यसागरीय क्षेत्र में एक बड़ी समुद्री शक्ति बनाने का ख्वाब देख रहे हैं। इसी सपने को पूरा करने के लिए तुर्की ने हाल में ही एक एयरक्राफ्ट कैरियर का निर्माण शुरू किया है। हाल ही में, तुर्की के पहले एयरक्राफ्ट कैरियर के डिजाइन के लिए जिम्मेदार इस्तांबुल नौसेना शिपयार्ड में डिजाइन प्रोजेक्ट कार्यालय (डीपीओ) ने नए जहाज के बारे में नए विवरण जारी किए। डीपीओ के अनुसार, तुर्की के पहले एयरक्राफ्ट कैरियर का निर्माण विदेशी सहायता के बिना, पूरी तरह से घरेलू संसाधनों से करेगा। माना जा रहा है कि इस एयरक्राफ्ट कैरियर को खासतौर पर ग्रीस के खिलाफ इस्तेमाल किया जाएगा।

माना जा रहा है कि यह पहल प्रमुख नौसैनिक परियोजनाओं को स्वतंत्र रूप से शुरू करने की तुर्की की क्षमता को रेखांकित करती है। इस नए एयरक्राफ्ट कैरियर में तीन रनवे बनाए जाने है, जिसमें से दो टेकऑफ के लिए और एक लैंडिंग के लिए होगा। प्रारंभ में, इसमें एयरक्राफ्ट लॉन्चिंग सिस्टम शामिल नहीं होगा। इसके बजाय, डीपीओ ने इस मॉड्यूलर रैंप सिस्टम से लैस करने की योजना बनाई है।

डीपीओ ने खुलासा किया कि तुर्की के पहला एयरक्राफ्ट कैरियर पर एक साथ 50 लड़ाकू विमानों को तैनात किया जा सकेगा। इसमें 20 डेक पर तैनात और 30 हैंगर के भीतर रखे जाएंगे। एयरक्राफ्ट कैरियर पर हजेंट हल्के लड़ाकू विमान और तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (टीएआई) द्वारा विकसित अंका-3 मानव रहित लड़ाकू विमान सहित विभिन्न विमानों को तैनात करने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, इस पर बायकर टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित किज़लिल्मा मानव रहित लड़ाकू विमान और बायरकटार टीबी -3 सशस्त्र ड्रोन भी तैनात किया जाएगा।

प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि तुर्की पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान कान का एक नौसैनिक वेरिएंट विकसित करने की योजना बना रहा है। कान के इस नौसैनिक वेरिएंट को एयरक्राफ्ट कैरियर पर तैनात किया जाएगा, हालांकि ये विवरण अभी भी प्रारंभिक चरण में हैं। तुर्की की डिफेंस इंडस्ट्री ने बताया है कि जैसे-जैसे परियोजना आगे बढ़ेगी, एयरक्राफ्ट कैरियर पर तैनात होने वाले विमानों की संख्या में वृद्धि होगी। तुर्की के नए एयरक्राफ्ट कैरियर की लंबाई 285 मीटर होगी और इसका वजन लगभग 60,000 टन होने की उम्मीद है। यह इसे ब्रिटिश एचएमएस क्वीन एलिजाबेथ और एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स की तुलना में एक मध्यम आकार का जहाज बनाता है। इसके विपरीत, अमेरिकी विमानवाहक पोतों का वजन 100,000 टन तक होता है।

सिंध में हिंदू लड़कियों के जबरन मतांतरण का विरोध शुरू

कराची (एजेंसी)। दो वर्ष पहले मोहर्रम जुलूस के दौरान प्रिया लापता हो गई और उसका अभी तक पता नहीं चला है।सोहैल ने सिंध हिंदू लड़कियों के जबरन मतांरण और मुस्लिम पुरुषों के साथ शादी कराने की खतरनाक परिपाटी को उजागर किया। अकसर देश में कट्टरपंथी लोगों के प्रभाव में यह काम किया जाता है। सोहैल ने ऐसे कृत्य के आरोपित लोगों का पक्ष लेने के लिए न्यायपालिका की आलोचना की और प्रिया कुमारी जैसी पीड़िता के लिए न्याय की मांग की। इस तरह की घटनाओं को लेकर पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू लड़कियों के अपहरण और जबरन मतांतरण का पुरजोर विरोध हो रहा है। सिंध प्रांत को अलग देश बनाने की मांग करने वाले संगठन जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट (जेएसएफएम) के चेयरमैन सोहैल अब्रो ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से दो वर्ष से लापता हिंदू लड़की सात वर्षीया प्रिया कुमारी की सुरक्षित रिहाई के लिए हस्तक्षेप की मांग की है।

इंटरनेट मीडिया पर अपने संदेश में सोहैल ने कहा, सिंधी हिंदू लड़कियों का जबरन मतांतरण और मुस्लिम व्यक्तियों से शादी कराई जाती है। आरोपित स्वतंत्र घूम रहे हैं। यहां तक कि जब लड़की अपने परिवार में लौटने की इच्छा व्यक्त करती है तो अदालतें ऐसा करने से इन्कार कर देती हैं, क्योंकि अदालतें उन लोगों के पक्ष में खड़ी रहती हैं।विश्व सिंधी कांग्रेस ने हिंदुओं की दुर्दशा उजागर कीविश्व सिंधी कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राष्ट्र आयोग की ओर से 23 अप्रैल को आयोजित कान्फ्रेंस में पाकिस्तान में सिंधी हिंदुओं की दुर्दशा का मुद्दा उठाया। सिंधी कांग्रेस ने प्रभावशाली जमींदार द्वारा प्रिया जैसी लड़कियों के अपहरण समेत उनकी दुर्दशा का उल्लेख किया। पिछले दो वर्ष में सौ से ज्यादा सिंधी हिंदू लड़कियों का जबरन मतांतरण और विवाह कराया गया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में जज का अपहरण

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हथियारबंद लोगों ने शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश का अपहरण कर लिया। पुलिस ने बताया कि शकीरुल्लाह मारवात का अफगानिस्तान की सीमा से लगे डेरा इस्माइल खान जिले के पास अपहरण किया गया। डेरा इस्माइल खान के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) मोहम्मद अदनान ने कहा कि घटना बग्वाल नामक गांव में हुई। जज का अपहरण तब किया गया जब वह ड्यूटी से लौट रहे थे। जज के ड्राइवर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। मौके से गाड़ी भी बरामद कर ली गई। जज के अपहरण की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

पाकिस्तान में जर्मन राजदूत के सामने फलस्तीन समर्थन में लगे नारे

पाकिस्तान में शनिवार को जर्मन राजदूत के सामने बड़ी असहज स्थिति पैदा हो गई। जब वह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे तो एक शख्स फलस्तीन के समर्थन में नारे लगाने लगा। राजदूत अल्फ्रेड ग्रैनास दक्षिण एशिया में नागरिक अधिकारों की सुरक्षा विषय पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भाषण की लाइव स्ट्रीमिंग तब तक रोकनी पड़ी जब तक आयोजक युवक को हाल से बाहर निकालने में कामयाब नहीं हो गए।दरअसल, भाषण शुरू करने के कुछ समय बाद ही एक युवक अपनी सीट से उठा और चिल्लाने लगा। उसने कहा कि क्षमा करें, मैं इस दुस्साहस से स्तब्ध हूं कि आप यहां नागरिक अधिकारों के बारे में बात करने आए हैं, जबकि आपका देश फलस्तीनियों के अधिकारों के लिए बोलने वाले लोगों के साथ क्रूरतापूर्वक पेश आ रहा है। वहां मौजूद कुछ अन्य लोग भी फलस्तीन के समर्थन में नारे लगाने लगे। इस दौरान राजदूत भी अपना आपा खोते दिखे। उन्होंने कहा कि अगर आप चिल्लाना चाहते हैं, तो बाहर जाएं। चिल्लना चर्चा नहीं है।

पटना में बदमाशों ने चाचा-भतीजे को गोलियों से भूना, चाचा की मौत

पटना। लोकसभा चुनाव के चलते सुरक्षा व्यवस्था के बीच पटना में आपराधिक गतिविधियां थकने का नाम नहीं ले रही हैं। पटना के मनेर थाना क्षेत्र के ब्रह्मचारी क्षेत्र में बदमाशों ने एक व्यापारी और उसके भतीजे को गोली मार दी। दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां चाचा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया और भतीजे की हालत नाजुक है। मिली जानकारी के अनुसार मनेर के ब्रह्मचारी पोखर निवासी देव कुमार अपने भतीजे बिट्टू कुमार के साथ शनिवार की रात 11 बजे ईंट भट्ठा से वापस घर लौट रहे थे। पहले से घात लगाकर बैठै अपराधियों ने चाचा-भतीजे पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं। अपराधियों ने एक के बाद एक लगभग छह राउंड से अधिक फायरिंग की। इस घटना में चाचा देव कुमार को दो गोलियां लगी वहीं एक गोली उसके भतीजे बिट्टू को लगी है। घटना को अंजाम देने के बाद सभी सातों अपराधी मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आनन-फानन में घायल चाचा-भतीजे को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां देव कुमार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ईंट भट्ठा मालिक देव कुमार की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आईजीआईएमएस में भेज दिया है1 घायल भतीजे ने पुलिस को इस बात की जानकारी दी है कि गोली मारने वाले वो लोग हैं जिनसे उनकी उनसे रंजिश चल रही है। सिटी एसपी पश्चिम ने दावा किया है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस अपराधियों तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। मालूम हो कि पिछले साल देव कुमार के भाई अरुण कुमार की भी अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दो साल के अंदर परिवार में यह दूसरी घटना है इससे परिवार दहशत में है। पुलिस मामले की जांच में जुटी गई है।

कश्मीर में फिर शुरू हो गई फिल्मों की शूटिंग

श्रीनगर । बॉलीवुड और दक्षिण भारत के फिल्मों की शूटिंग कश्मीर में बड़े पैमाने पर शुरू हो गई है। पिछले 2 साल में फिल्म शूटिंग 7 गुना बढ़ गई है। 70 और 80 के दशक में सबसे ज्यादा फिल्में कश्मीर की घाटी में शूट की जाती थी। 1990 के बाद से घाटी में अशांति फैली। जिसके कारण फिल्मों की शूटिंग एक तरह से बंद हो गई थी।पिछले 3 साल में 700 फ़िल्मों और वेब सीरीज शूट करने के आवेदन कश्मीर घाटी के प्रशासन को मिले हैं।2022 की तुलना में 7 गुना अधिक है। पिछले साल 105 फिल्मों की शूटिंग कश्मीर घाटी में हुई है। बॉलीवुड, टॉलीवुड,कालीवुड, भोजपुरी, टीवी सीरियल,एल्बम,वेब सीरीज तथा एड फिल्मों की शूटिंग भी कश्मीर में बड़े पैमाने पर शुरू हो गई है।

मेडिकल बोर्ड ने केजरीवाल को इंसुलिन की कम खुराक जारी रखने के लिए कहा

नई दिल्ली । कोर्ट के निर्देश पर गठित पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन की कम खुराक जारी रखने के लिए कहा है। ये फैसला बोर्ड द्वारा समीक्षा के बाद लिया गया, जिसमें एक एंडोक्रिनोलॉजिस्ट और एक मधुमेह विशेषज्ञ शामिल हैं। वर्चुअल-कॉन्फ्रेंस के बाद, बोर्ड ने फैसला सुनाया कि अरविंद केजरीवाल स्वस्थ हैं और उन्हें दी जा रही दवाओं की खुराक में बदलाव करने की जरूरत नहीं है। अगली समीक्षा बैठक सात दिन बाद होगी।केजरीवाल को इंसुलिन की पहली खुराक सोमवार शाम को दी गई थी, जब उनका शुगर लेवल 217 तक बढ़ गया था। अगले दिन गठित मेडिकल बोर्ड ने खुराक को पांच दिनों तक जारी रखने की सलाह दी। उन्हें रोजाना दोपहर के भोजन और रात के खाने से पहले दिन में दो बार इंसुलिन की कम खुराक दी जा रही है और ये अगली समीक्षा बैठक तक जारी रहेगा।तिहाड़ जेल के एक अधिकारी ने कहा, तिहाड़ के डॉक्टर केजरीवाल के स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे हैं और उन्हें घर का बना खाना और डॉक्टरों द्वारा बताई गई अन्य दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

महाराष्ट्र में 12 साल की बच्ची से गैंगरेप के बाद हत्या

मुंबई । महाराष्ट्र में एक 12 साल की बच्ची की गैंगरेप के बाद पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। यह मामला गोंदिया जिले के देवरी तहसील के चिचगढ़ थाना के अंतर्गत आने वाले गोठणपार का है। पुलिस ने चारों आरोपियों को पकड़ लिया है लेकिन आरोपियों के भी नाबालिग होने की वजह से उन्हें 17 मई तक बाल सुधार गृह भेजा गया है। चारों का बच्ची से दुष्कर्म करने के बाद पकड़े जाने की बात को लेकर आपसी विवाद हुआ और उन्होंने पत्थर से कुचलकर लड़की की हत्या कर दी। बच्ची आदिवासी आश्रम शाला में छठवीं कक्षा की छात्रा थी।दुष्कर्म करने वाले बच्ची के पड़ोस के गांव चिल्हाटी के रहने वाले थे। ये चारों आरोपी 12वीं पास हैं तथा अलग-अलग दुकानों में काम करते हैं। इनमें से एक लड़की का बॉयफ्रेंड था। लड़की को बॉयफ्रेंड से मिलाने के बहाने बाइक पर बिठाकर उसे ये सब जंगल लाए थे।इस मामले के कारण इलाके के लोगों में आक्रोश फैला हुआ था। बलात्कारियों की गिरफ्तारी को लेकर विभिन्न आदिवासी संगठनों ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा था तथा आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। जंगल का मामला होने के कारण वहां से कोई गवाह मिलना या फोन कॉल की लोकेशन आदि मिलना भी संभव नहीं था। मामले की जांच के 6 टीम का गठन किया गया। 40 पुलिसकर्मियों ने दिन-रात मेहनत करते इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाया।

लेस्बियन बहू पति के साथ नहीं रहना चाहती, तलाक की मांग कर रही

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में एक लेस्बियन बहू अपनी सास से ही इश्क लड़ा बैठी। वह शारीरिक संबंध बनाने के लिए सास को मजबूर करने लगी। महिला अब अपने पति के साथ नहीं रहना चाहती और तलाक की मांग कर रही है।सास अपनी लेस्बियन बहू की शिकायत लेकर पुलिस कार्यालय पहुंची।

सोशल मीडिया एक्स पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो लेस्बियन बहू से पीड़ित सास का है। दावा है की बुलंदशहर में एक बहू को अपनी सास से प्यार हो गया। अब बहू अपनी सास को अपने साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रही है। पति ने आपत्ति की तो उसे झूठे केस और जान से मारने की धमकी दी। वह सास और ससुर को अकेले में मिलने भी नहीं दे रही है। उसने अपने पति से भी तलाक मांगा ताकि वह सास से शादी कर सके। वहीं मायके वालों ने कहा कि अब ये लड़की आप लोगों की टेंशन है आप ही इसे संभालो।

नई शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षण रुचिकर बने-राज्यपाल

जयपुर । राज्यपाल कलराज मिश्र ने महात्मा गांधी चिकित्सा विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय में नेशनल बोर्ड आफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस द्वारा आयोजित फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम में संबोधित करते हुए कहा है कि फैकल्टी डेवलपमेंट के अंतर्गत शिक्षण की बोझिलता को दूर करने के लिए कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में जो नवीनतम परिवर्तन हो रहे हैं, उनको सम्मिलित करते हुए नई शिक्षा नीति के आलोक में शिक्षण को प्रभावी किया जाए। संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को पढ़ाना नहीं, उन्हें समय–संदर्भों से जोड़ते हुए शिक्षण को रुचिकर बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीखना और सीखाना सतत प्रक्रिया है। ऐसे कार्यक्रमों के जरिए यह प्रयास किया जाए कि शिक्षण विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि सक्षम और प्रभावी शिक्षक ही विद्यार्थियों को भविष्य की नई दिशाएं प्रदान कर सकता है।

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए हेल्थ एडवाइजरी

नई दिल्ली ।

श्री अमरनाथ गुफा 14 हजार फीट की ऊंचाई पर है। इसकारण श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान कम भूख लगने, उल्टी या दस्त, कमजोरी, धीमा सिरदर्द, सांस लेने में तकली हो सकती है। इसके लिए अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले सभी यात्रियों को कुछ बातों का विशेष ध्यान देना चाहिए। यात्रा से पहले एक महीना रोजाना 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलें। योग और प्राणायाम जैसे व्यायाम का अभ्यास करें, इससे आपका सांस पर नियंत्रण बन जाएगा।

यदि आपको ऊंचाई वाली यात्रा में पहले कोई समस्या आ चुकी है, तब आप यात्रा शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से जांच करवाएं। यात्रा के दौरान चढ़ाई पर धीमे चले और बीच-बीच में सांस लेने के लिए रुकें। नीचे उतरते वक्त तेजी से न चलें और बीच-बीच में रुकते रहें। यात्रा के दौरान समस्या होने पर दवा लेने से पहले अपने डॉक्टर से संपर्कक करके सलाह करें। इतना ही नहीं यात्रा के दौरान खूब पानी पिएं। इससे सिरदर्द नहीं होगा। यात्रा के दौरान खाने-पीने का ध्यान रखें और श्राइन बोर्ड द्वारा सुझाए गए डाइट चार्ट को फॉलो करें। बीमार होने की स्थिति में किसी भी यात्री द्वारा दी गई मेडिकल सलाह न मानें।

यात्री ये सामना अपने साथ जरुर रखे

अपने साथ ऊनी कपड़े जरूर रखें, क्योंकि यात्रा के दौरान न्यूनतम तापमान 5 डिग्री तक लुढ़क सकता है। इसके अलावा छाता, विंडचीटर, रेनकोट और वाटरप्रूफ जूते जरूर रखें। अपने कपड़े और खाने का सामान वाटरप्रूफ बैग में रखें ताकि मौसम बिगड़ने पर ये गीले न हों। यात्रा के दौरान अपने साथ अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर लिखी एक पर्ची जेब में जरूर रखें। अपना पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और यात्रा परमिट जरूर रखें। यदि आपके ग्रुप का कोई साथी बिछड़ जाता है, तब तुरंत ही पुलिस को सूचना देकर बिछुडने की घोषणा यात्रा कैम्प के जरिए करवाएं।

चंदनवाड़ी के गेट सुबह 5 से लेकर 11 बजे तक खुलते हैं। इसी अवधि के दौरान गेट पर पहुंचें। गेट बंद होने के बाद श्रद्धालुओं को यात्रा की इजाजत नहीं मिलेगी।

प्रीपेड सिम कार्ड जम्मू-कश्मीर में काम नहीं करेगा। आपको बालटाल और नुवान के बेस कैंप से प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्ड आसानी से मिल जाएंगे।

यात्री ये काम नहीं करे

महिलाएं यात्रा के दौरान साड़ी न पहनें। महिलाओं को सलवार-कमीज, पैंट-शर्ट या ट्रैक सूट में यात्रा करनी चाहिए। 6 हफ्ते से ज्यादा की गर्भवती महिलाओं को यात्रा करने से बचना चाहिए। 13 साल से छोटे बच्चे और 75 साल से ऊपर के बुजुर्ग को यात्रा करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। यात्रा मार्ग में चेतावनी वाले नोटिस की जगह पर न रुकें और ट्रैक पर चलते रहें। नंगे पैर अथवा ऊनी कपड़े के बिना यात्रा न करें क्योंकि यात्रा मार्ग का तापमान किसी भी समय बिगड़ सकता है।

स्लीपर का इस्तेमाल न करें और ट्रैकिंग शूज के साथ ही यात्रा करें। यात्रा के दौरान शॉर्टकट रास्ता न अपनाएं, यह खतरनाक साबित हो सकता है। खाली पेट यात्रा न करें। यह सेहत के लिहाज से खतरनाक साबित हो सकता है। अपने साथ प्लास्टिक के लिफाफे न लेकर आएं। जम्मू-कश्मीर में ये प्रतिबंधित हैं।

हाईकोर्ट ने पुलिस को दिया आदेश; धार्मिक मान्यता के अनुसार पिता का शव दफनाने की मिली अनुमति

छत्तीसगढ़ । एजेंसी

बिलासपुर हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले में सुनवाई करते हुए एक पुत्र की याचिका पर पिता के शव को धार्मिक मान्यता के अनुसार दफनाने की अनुमति प्रदान की है। हाईकोर्ट ने एसपी बस्तर को इसके लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने का आदेश दिया है। दरअसल, याचिकाकर्ता सार्तिक कोर्राम के पिता ईश्वर सिंह कोर्राम की बीते 25 अप्रैल को बस्तर के डिमरपाल अस्पताल में मृत्यु हो गई। ईसाई धर्म को माननेवाला कोर्राम परिवार जब शव को लेकर अपने गांव छिंदबहार ले जाने की तैयारी कर रहा था तभी स्थानीय थानाप्रभारी ने उन्हें रोका और शव को कहीं और दफन करने ले जाने को कहा। जिसपर पीड़ित परिवार ने एसएचओ से अनुरोध किया और अपने ही गांव में शव ले जाने की अनुमति मांगी, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं दी गई। पीड़ित परिवार ने एसपी और कलेक्टर से भी लिखित अनुरोध किया लेकिन उनकी बात अनसुनी की गई। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट न्याय के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की बेंच ने याचिकाकर्ता के हक में निर्णय सुनाते हुए याचिकाकर्ता पुत्र के पिता के शव को उसकी अपनी जमीन पर दफनाने का आदेश दिया है।

मेरठ में चुनावी मुकाबला बेहद दिलचस्प हुआ

मेरठ । एजेंसी

उत्तर प्रदेश के 80 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक मेरठ में चुनावी मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। यहां भाजपा व इंडिया गठबंधन और बसपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना है। मेरठ लोकसभा सीट के लिए दूसरे चरण के तहत मतदान जारी है। मालूम हो कि यहां बीजेपी ने लोकप्रिय टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल को मेरठ से मैदान में उतारा है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक भाजपा उम्मीदवार की जीत काफी हद तक दलित वोटों के विभाजन और शहरी इलाकों में उच्च मतदान प्रतिशत पर निर्भर करती है। वोटिंग शुरू होने पर गोविल ने खुद कहा कि मैं सभी से अपील करना चाहता हूं कि सब लोगों को वोट जरूर डालना चाहिए। ये हमारा देश के प्रति

कर्तव्य है। यही नहीं मतदान हमारा अधिकार भी है।अरुण गोविल के सामने मुख्य चुनौती समाजवादी पार्टी की प्रत्यासी सुनीता वर्मा हैं जो दलित हैं। वह मेरठ की पूर्व मेयर भी हैं और पूर्व विधायक योगेश वर्मा की पत्नी हैं। बसपा ने देवव्रत त्यागी को मैदान में उतारा है जो जाति से ब्राह्मण हैं। हालांकि इस सीट पर किसी भी बड़ी पार्टी से मुस्लिम उम्मीदवार न होने से चुनावी फाइट बेहद दिलचस्प हो गई है। पिछले कई लोकसभा चुनावों से मेरठ में भाजपा, सपा और बसपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला है। ऐसा भी हुआ है कि मुस्लिम वोट सपा और बसपा के बीच बंटे हैं। इस सीट पर दलित भी बड़ी संख्या में हैं। ये यहां पर मुसलमानों के बाद दूसरे सबसे बड़ा मतदाता समूह है। परंपरागत रूप से मेरठ के ज्यादा दलित बसपा को वोट देते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में एसपी-बीएसपी ने मिलकर ताल ठोंकी थी। इस दौरान बीजेपी 5 हजार से भी कम वोटों से यहां पर जीती। टीवी सीरियल में गोविल ने भगवान राम का किरदार निभाया जिससे उन्हें यहां लोकप्रियता मिली। हाल ही में अयोध्या में मंदिर निर्माण को लेकर बीजेपी को उम्मीद है कि राम फैक्टर का लाभ उन्हे मिलेगा। भाजपा नेताओं का मानना है कि गोविल के साथ बड़ी संख्या में दलित वोटर्स भी आ सकते हैं। साथ ही अधिक से अधिक संख्या में मतदान होने और मोदी फैक्टर से पार्टी को फायदा होने की उम्मीद है। हालांकि गोविल के खिलाफ दूसरे दलों की ओर से यह बात जोरशोर से उठाई जा रही है कि वो बाहरी हैं। इस पर बीजेपी के राम लगातार कहते हैं कि वे मेरठ में हमेशा बने रहेंगे। अब यह देखना होगा कि आज वोटिंग खत्म होने के बाद किस तरह की बातें निकलकर सामने आती हैं।

दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ की तीन सीटों पर मतदान का टूटा रिकार्ड

छत्तीसगढ़ । एजेंसी

छत?तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। तीन लोकसभा क्षेत्रों में जमकर मतदान हुआ है। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थी। दूसरे चरण में 76.24 प्रतिशत मतदान हुआ है। लोकसभा चुनाव-2019 में 74.95 प्रतिशत मतदान हुआ था।आंकाड़ों की बात करें तो इस बार 1.29 प्रतिशत मतदान ज़्यादा हुआ है। प्रदेश में सबसे ज्यादा मतदान राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में हुआ है। राजनांदगांव में 77.42 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं, कांकेर में 76.23 तथा महासमुंद में 75.02 प्रतिशत मतदान हुआ है। प्रदेश की सबसे ज्यादा हाई प्रोफाइल सीट राजनांदगांव में कांग्रेस से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और भाजपा के संतोष पाण्डेय में सीधा मुकाबला है। दोनों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है।

भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों की किस्मत श्ट्रक्रूमें कैद

महासमुंद लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू का मुकाबला भाजपा की रूप कुमारी चौधरी से है। वहीं, नक्सल प्रभावित कांकेर लोकसभा सीट से कांग्रेस के बीरेश ठाकुर और भाजपा से भोजराज नाग चुनावी मैदान में हैं। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण अंतर्गत सात सीटों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, सरगुजा, रायगढ़ और जांजगीर-चांपा के लिए सात मई को मतदान होगा। इसके लिए भाजपा और कांग्रेस के राष्टीय प्रचारकों का दौरा भी शुरू हो गया है।

डोंगरगांव विधानसभा में सर्वाधिक तो महासमुंद में सबसे कम मतदान

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत डोंगरगांव विधानसभा में सर्वाधिक 82.36 तथा महासमुंद लोकसभा क्षेत्रांतर्गत महासमुंद में सबसे कम 69.12

प्रतिशत मतदान हुआ है। कांकेर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 74.99, केशकाल में 77.11, कांकेर में 76.95, गुंडरदेही में 74.40, डोंडीलोहारा में 74.93, भानुप्रतापपुर में 76.18, संजारी बालोद में 75.88 तथा सिंहावा में 79.93 प्रतिशत मतदान हुआ है।ऐसे ही महासमुंद लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत कुरूद में 77.67, खल्लारी में 70.43, धमतरी में 75.70, बसना में 74.83, बिंद्रानवागढ़ में 81.19, महासमुंद में 69.12, राजिम में 75.59 तथा सराईपाली में 75.22 प्रतिशत मतदान हुआ है। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के कवर्धा में 75.83, खुज्जी में 81.62, खैरागढ़ में 78.04, डोंगरगढ़ में 79.41,डोंगरगांव में 82.36, पंडरिया में 71.97, मोहला-मानपुर में 77.09 तथा राजनांदगांव में 77.20 प्रतिशत मतदान हुआ है।

ईवीएम पर सवाल उठाने वाले वहीं लोग हैं जो कभी बैलेट लूटा करते थे-योगी

लखनऊ ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईवीएम पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ओर इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि ये वही लोग हैं जो बैलेट लूटने का काम करते थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पुख्ता हार को देख कांग्रेस के लोग ईवीएम पर दोषारोपण कर रहे हैं। सीएम योगी शनिवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने गोमांस मुद्दे पर भी कांग्रेस और इंडी गठबंधन को निशाने पर लिया। सीएम योगी ने पूछा कि वो अपने घोषणापत्र में लिख रहे हैं अल्पसंख्यकों को उनकी पसंद के खान-पान का अधिकारी दिया जाएगा। आखिर अल्पसंख्यकों का ऐसा कौन सा खान-पान है जो शेष समुदाय से अलग है। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर इंडी गठबंधन के अन्य सहयोगियों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने ईवीएम मुद्दे पर कहा है कि इंडी गठबंधन जब भी हार रहा होता है, तो अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर डालने का प्रयास करता है। 2014 से लगातार हम सब इस बात को सुन रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से पूछा कि गत वर्ष हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में क्या बैलेट पेपर से सरकार बनी थी, 2004 में यूपीए की सरकार और 2018 में राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की तथा दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार क्या बैलेट पेपर से बनी थी?

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग ईवीएम को नकार रहे हैं ये वही हैं जो बैलेट बॉक्स लूटने का काम करते थे। अगर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव की सुचिता को सुनिश्चित किया है तो ये लोग अपना गुस्सा ईवीएम पर फोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले दो चरणों के चुनाव के रुझान ने स्पष्ट कर दिया है कि देश में फिर एक बार मोदी सरकार बनने जा रही है। देश ने तय कर लिया है कि अबकी बार 400 पार का जनादेश एनडीए को देने जा रही है। जब एनडीए भाजपा के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है तो खीझ मिटाने के लिए इंडी गठबंधन के लोग ईवीएम को निशाना बना रहे हैं। ये लोग अपनी हार को पुख्ता कर रहे हैं और दोषारोपण के लिए ईवीएम सबसे सस्ता औजार है।

यूपी में अब आसान नहीं गोकशी, 10 साल तक जेल और 5 लाख तक जुर्माने का है प्राविधान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर गोमांस को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस देश का हिंदू गोमांस से पूरी तरह से परहेज करता है। गाय उसके लिए मां के समान है। कांग्रेस मुसलमानों को इसकी छूट देने का कुत्सित प्रयास कर रही है। यह कोई भी स्वीकार नहीं करेगा। मालूम हो कि उत्तर प्रदेश ने गोहत्या को लेकर प्रदेश में पहले से ही कड़ा कानून बना रखा है।

इसके तहत, प्रदेश में गोकशी पर 10 साल की सजा और 5 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान है। वहीं, गोवंश के अंगभंग पर सात साल की जेल और 3 लाख के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

योगी सरकार ने 2020 में ही गोकशी पर अध्यादेश लाने के साथ इसे कानून का रूप दिया था। उत्तर प्रदेश गोवध निवारण (संशोधन) अधिनियम 2020 में योगी सरकार ने कई नए प्राविधानों को जोड़ा था, जिससे प्रदेश में गोकशी करना आसान नहीं रह गया है। इसके तहत, उत्तर प्रदेश में गोकशी या गोवंश की तस्करी के अपराधों में सजा और कड़ी कर दी गई है। इस अधिनियम के तहत गोवंश की तस्करी पर 10 साल तक की जेल और दोबारा दोषी पाए जाने पर सजा दोगुनी हो सकती है। इससे पूर्व के कानून में गोवंश के वध या इस नीयत से तस्करी पर न्यूनतम सजा का प्रावधान नहीं था। लेकिन संशोधित अधिनियम में गोकशी पर न्यूनतम 3 साल की सजा और न्यूनतम 3 लाख जुर्माना तय किया गया है।

वहीं, गोवंश को अंगभंग करने पर भी कम से कम 1 साल की सजा और 1 लाख का न्यूनतम जुर्माना होगा। अधिनियम में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जो कोई किसी गाय या उसके गोवंश को ऐसी शारीरिक क्षति करता है, जो उसके जीवन को संकट में डाले या अंग भंग करे, उस व्यक्ति पर एक वर्ष से साथ वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपए से तीन लाख रुपए तक के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। संशोधित कानून के अनुसार अगर तस्करी के लिए ले जाया जा रहा गोवंश जब्त किया जाता है तो एक साल तक उसके भरण-पोषण के खर्च की वसूली भी अभियुक्त से ही की जाएगी।

पूर्व के कानून में गोवंश या उसके मांस को ढोने वाले वाहनों, उनके मालिकों या चालकों पर कार्रवाई को लेकर तस्वीर साफ नहीं थी। वहीं संशोधित कानून में अब जब तक वाहन मालिक साबित नहीं कर देंगे कि उन्हें वाहन में प्रतिबंधित मांस की जानकारी नहीं थी, वे भी दोषी माने जाएंगे। साथ ही चालक और ऑपरेटर भी दोषी होंगे। वाहन सीज कर दिया जाएगा। इस अधिनियम के तहत सभी अपराध गैरजमानती होंगे।योगी सरकार ने 2020 में अध्यादेश और फिर अधिनियम बनाकर इसे प्रदेश में लागू किया था। इस कानून की आवश्यकता इसलिए महसूस की गई थी, क्योंकि पूर्व के कानून में अनेक संशोधनों के बाद भी इस प्रकार की शिथिलता बनाए रखी गई जिसके कारण कानून का क्रियान्वयन जन आकांक्षाओं के अनुरूप प्रभावी रूप से नहीं किया जा सका और गाय तथा गोवंश के अवैध वध एवं अवैध परिवहन की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इसलिए कानून में संशोधन करके गोवंश के अवैध वध एवं अवैध परिवहन पर कड़े दंड का प्रावधान किया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

चैंबर ऑफ कॉमर्स (SGCCI) के उपाध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में निखिल मद्रासी ४१४ मतों से जीते

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, चैंबर ऑफ कॉमर्स में तीन साल बाद उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ. मतदान रविवार को सरसाना कन्वेंशन सेंटर में सुबह ९ बजे से शाम ५ बजे तक चला. इस चुनाव में उपाध्यक्ष पद के लिए ११ उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी दाखिल की थी. जिनमें से २ उम्मीदवार मैदान में थे जबकि ९ उम्मीदवार धीरे-धीरे फॉर्म खींच लिए थे. निखिल मद्रासी और मनीष कपाड़िया के बीच चुनावी जंग का माहोल उत्पन्न हुआ था. सौराष्ट्र के लिए मनीष कपाड़िया और सुरती उम्मीदवार के तौर पर निखिल मद्रासी मैदान में थे. जिसमें निखिल मद्रासी ४१४ वोटों से चुनाव जीते.

चुनाव के दोरान निखिल मद्रासी को २४४३ मत और मनीष कापड़िया को २०२९ मत मिले थे. चुनाव में कुल ११३०० मतदाताओं में से ४६२४ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया, जो कि कुल मतदान का ३९.०८न हुआ. जिसमें निखिल मद्रासी ४१४ वोटों से चुनाव जीते. पहले घंटे में ३७७ मतदाताओं ने मतदान किया. और ११ से १२ बजे के बीच सबसे अधिक ८४७ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया.

निखिल मद्रासी को चुनाव में डॉ. बंदना भट्टाचार्य, भद्रेश शाह और मिथिश मोदी का भी समर्थन मिला. इन तीनों उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया था और मद्रासी का समर्थन किया था. मतदान समाप्त होने के बाद शाम ५.३० बजे मतगणना शुरू हुई. मतगणना के बाद चुनाव अधिकारी तत्काल पूर्व चैंबर अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला ने निखिल मद्रासी को विजयी घोषित किया. निखिल मद्रासी की जीत के बाद उनके समर्थकों, चैंबर के पूर्व अध्यक्षों, सदस्यों, परिवार के सदस्यों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया.

निखिल मद्रासी ३५ वर्षों से अधिक समय से चैंबर की प्रबंध समिति से जुड़े हुए हैं. उन्होंने विभिन्न ४ कार्यकालों में सचिव के रूप में भी कार्य किया है. उन्हें चैम्बर के सभी क्षेत्रों में पर्याप्त अनुभव है.

कलेक्टर की झूठी पहचान बताकर धोखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डे कलेक्टर ने गलत पहचान बताकर की ठगी

नवसारी में महिला ने चेक से ६.६३ लाख के सोने के आभूषण खरीदे, चेक बाउंस होने पर दुकानदार को धोखाधड़ी का पता चला

नवसारी जिले के खेरगाम में एक महिला द्वारा डिप्टी कलेक्टर की पहचान बताकर एक ज्वैलर्स मैनेजर को ठगने का मामला सामने आया है.

गुजरात के अलग-अलग शहरों में ठग डिप्टी कलेक्टर का परिचय देकर ज्वैलर्स की दुकानों पर जाते थे और लाखों के गहने खरीदने के बदले चेक देते थे। जब ज्वैलर मैनेजर द्वारा चेक बैंक में जमा नहीं किया गया तो वह बाउंस हो गया, जिससे ज्वैलर मैनेजर की नींद उड़ गई और ठग महिला को फोन करने पर फोन बंद हो गया, बस इसी तरीके से उसने सूरत के बाद धोखाधड़ी की नवसारी भी पंजीकृत.

२३ मार्च को, नवसारी जिले के खेरगाम तालुक में जांडा चौक के पास श्री जलाराम ज्वैलर्स में एक महिला खुद को वलसाड डिप्टी कलेक्टर बताते हुए ज्वैलर के यहां घुसती है। ठग महिला ने अलग-अलग आभूषण देखे और अंतत: ३८.०९० ग्राम वजन का सोने का मंगलसूत्र जिसकी कीमत २,४१,३०० थी, एक की सोने की चेन जिसकी कीमत ४०,९५० थी। वजन ९२,५००, दूसरा हाथ ढीला वजन १३.१८० ग्राम और अन्य आभूषण मिलाकर कुल ६,६३,७५० मूल्य के आभूषण खरीदे गए, चेक बिना बैलेंस के बाउंस हो गया, ज्वैलर्स के मैनेजर अल्पेश पारेख ने उसके खिलाफ खेरगाम पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। । है

सूरत में भी इसी तरह की कार्यप्रणाली से उसने धोखाधड़ी की, सूरत पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और

सोने की चेन जिसका वजन २०.६५० ग्राम था जिसकी कीमत १,४४,७०० थी, एक और सोने की चेन जिसका वजन १८.६७० ग्राम था जिसकी कीमत १,३०,८०० थी, ५.७४० ग्राम वजन पूछताछ की, खेरगाम पुलिस की जांच में इसकी जानकारी होने पर पुलिस अब ट्रांसफर वारंट के जरिए उसे अपने कब्जे में लेगी और इस मामले में गहन जांच करेगी।

वराछा में बस ड्राइवर ने गाड़ी पर सवार महिला को मारा टक्कर, ड्राइवर और लोगों के बीच हुई झड़प

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत में लोगों की सुविधाओं के लिए चालू की गई सिटी बस और बीआरटीएस बस अब दुर्घटनाओ को लेकर लगातार विवादों में आ रहा है. सुविधा के लिए चालू की गई सिटी बस और बीआरटीएस बस अब दुर्घटना करने का स्वरूप ले रही है. आए दिन किसी ना किसी क्षेत्र में दुर्घटना बनती रहती है. एक बार फिर बीआरटीएस बस ने सूरत के वराछा क्षेत्र में गाड़ी पर सवार महिला को टक्कर मारी. इसके बाद महिला और लोग उग्र हो गये और बस चालक से उलझ गये. जिससे लोगों और बस चालक में झड़प हो गई.

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, वराछा क्षेत्र में यश प्लाजा के पास से एक बीआरटीएस बस गुजर रही थी. इसी दौरान गाड़ी लेकर जा रही एक महिला को बीआरटीएस चालक ने टक्कर मार दी. जिससे महिला गाड़ी से नियंत्रण खो बैठी और गिर गई. हालांकि, गिरने से महिला को कोई चोट नहीं आई. दुर्घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए. इसके बाद महिला और एकत्र हुए लोगों ने बस चालक को बस से नीचे उतरा और बस चालक से उलझ गये. जिससे दोनों के बीच में झड़प हो गई. जिसका विडियो भी वायरल हो रहा है. बीआरटीएस बस चालकों द्वारा लगातार किए जा रहे दुर्घटनाओं को लेकर भी लोगों में काफी गुस्सा है. लोग सिटी और बीआरटीएस चालकों पर भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. सिटी और बीआरटीएस बस चालकों द्वारा लगातार की जा रही दुर्घटनाओं के मद्देनजर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाती है. लेकिन, बस चालकों द्वारा सुधरने का नाम नहीं लिया जा रहा है. फिलहाल प्रशासन द्वारा ट्रेनिंग के बाद ही उन्हें बस चालक के तौर पर काम पर रखा जा रहा है. लेकिन फिर भी दुर्घटना नहीं रुक रही हैं.

जामनगर में भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ करने वाले १०० क्षत्रियों के खिलाफ शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्षत्रियों के उग्र आंदोलन और विरोध के खिलाफ सरकार इस तरह एक्शन में आई है.

जामनगर के वार्ड नंबर ६ में बीजेपी दफ्तर पर विरोध प्रदर्शन और तोड़फोड़ करने वाले १०० लोगों पर दंगा समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. राजपूत समाज की महिलाओं और युवाओं द्वारा वार्ड नंबर ६ कार्यालय में तोड़फोड़, जामनगर में पहली बार अपराध की सूचना। शिकायत पर बलवा और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

सूरत में नीलेश कुंभाणी ''सोदागर'' के पोस्टर के साथ धरने पर बैठे AAP के दिनेश काछड़िया और समर्थक

पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद छोड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के मतदाता लोकसभा चुनाव में मतदान के अपने मौलिक अधिकार से वंचित हुए है. एक पार्षद और आम आदमी पार्टी नेता द्वारा अपने अधिकारों के लिए लोगों को जागने के लिए गांधी प्रतिमा के पास धरना प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया गया था. जिसके बाद प्रतिमा के पास नीलेश कुम्भानी की फोटो 'सोदागर' के नीचे 'हमें मिले मतदान के अधिकार का क्या हुआ' और 'ऐसे ४ चोर सूरत लोकसभा क्षेत्र में हमारे १९ लाख मतदाताओं के अधिकारों का सौदा कैसे कर सकते हैं?' ऐसे पोस्टर-बैनर लगा कर धरना प्रदर्शन पर बैठे थे.

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव में वोट का अधिकार पाने के लिए सूरत के चौक इलाके में गांधी प्रतिमा के पास धरना प्रदर्शन किया गया. लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभानी द्वारा जो किया गया है. उसके फॉर्म रद्द होने के बाद मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सकेंगे. जिसको लेकर गांधी प्रतिमा के पास एकजुट होकर धरना प्रदर्शन का आह्वान किया गया था. पुलिस को इसकी जानकारी मिली तो पुलिस द्वारा धरने पर बैठे १० से १२ लोगों को हिरासत में लिया गया. हिरासत में लिए जाने के कुछ ही घंटो में उन्हें छोड़ दिया गया.

आम आदमी पार्टी नेता दिनेश काछडीया ने कहा, जब लोकशाही में ३-४ लोग बिक जाएं और मतदाताओं को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया जाए तो लोकतंत्र कैसे संभाला जा सकता है? यह लड़ाई केवल ४ लोगों की नही है. सूरत की लोकसभा सीटों पर जो हुआ उसने लोगों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया है. मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से अपने मतदान के अधिकार की मांग करें. ७ तारीख को लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए ऐसी मांग करना आवश्यक है. यह कितना उचित है कि हम वोट देने के अधिकार का प्रयोग नहीं कर सकते क्योंकि ३-४ लोग बिक गए हैं. लोकतंत्र में कोई मुझसे वोट देने का अधिकार कैसे छीन सकता है? इसको लेकर बेहद जागरूक रहने की जरूरत है.

राहुल गांधी आज पाटण में जनसभा को संबोधित करेंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लोकसभा चुनाव २०२४ में गुजरात में तीसरे चरण में मतदान होगा. चुनाव से पहले नेता चुनाव प्रचार के लिए गुजरात आ रहे हैं. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आज गुजरात दौरे पर हैं. राहुल गांधी पाटन में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे.

कांग्रेस अध्यक्ष भी आएंगे गुजरात कांग्रेस के केंद्रीय नेता गुजरात में चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं. कल जहां प्रियंका गांधी ने वलसाड के धरमपुर में एक जनसभा को संबोधित किया, वहीं अब राहुल गांधी गुजरात दौरे पर हैं. वह सोमवार सुबह १० बजे पाटन के प्रगति मैदान में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे.

गुजरात स्थापना दिवस पर ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अहमदाबाद आ रहे हैं. खड़गे गुजरात में भी चार दिन बिताएंगे. इतना ही नहीं, कांग्रेस ने उत्तर गुजरात, दक्षिण गुजरात, मध्य गुजरात और सौराष्ट्र के चार क्षेत्रों में एक-एक बैठक को संबोधित करने की योजना बनाई है। क्षेत्रीय नेताओं के साथ केंद्रीय नेताओं की बैठक स्थल समेत योजना पर क्षेत्रीय प्रभारी मुकुल वासनिक सीधे नजर रख रहे हैं.

किशोर ने पिन निगल ली और ब्रोंकोस्कोपी द्वारा उसे बाहर निकाला गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अमरोली इलाके में रहने वाली १३ साल की लड़की बुधवार शाम को हिजाब बांध रही थी। हिजाब बांधते समय युवती ने हिजाब को खुलने से बचाने के लिए अपने मुंह में ५ सेमी लंबी पिन पकड़ रखी थी। किसी तरह पिन युवती की श्वांस नली में घुस गई। उसने तुरंत इसकी सूचना अपने पिता को दी. इसलिए उनके पिता उन्हें एक जनरल प्रैक्टिशनर डॉक्टर के पास ले गए, जिनका पास में ही क्लिनिक है। विनय पंड्या को वहां ले जाया गया.

जहां से उन्हें चेस्ट फिजिशियन डॉ. भावेश को वाघाणी भेजा गया. हालाँकि, चूंकि युवती ने उस समय ४-५ गिलास पानी पी लिया था, इसलिए उसे भर्ती कर लिया गया और गुरुवार को वह बेहोश थी और उसकी ब्रोंकोस्कोपी की गई। पिन वाला हिस्सा ऊपर की ओर होने के कारण काफी मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार, ४५ मिनट की मशक्कत के बाद पिन को बाहर निकाला गया और युवती की जान बचाई गई, दिल के पास एक बड़ी धमनी थी, जान को खतरा हो सकता था, डॉ. भावेश वघानी ने कहा कि कई बार महिलाएं इसी तरह मुंह में पिन रखती हैं. ये आदत जानलेवा हो सकती है.